INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-224 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, गुरुवार, 8 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

विश्व दृष्टि दिवस — मथुरा में बदल रही आंखों की बीमारी की तस्वीर

आंखों की रोशनी बचाना, कल को संवारना

बढ़ता नेत्र रोगों का बोझ जागरूकता ही बचाव

बच्चों में कमजोर नजर युवाओं में स्क्रीन का असर और बुजुर्गों में मोतियाबिंद ग्लूकोमा की चुनौती

मथुरा में बढ़ीं जांच और उपचार की सुविधाएं

यूनिक समय, मथुरा। आंखों की रोशनी कमजोर होने की समस्या अब केवल उम्रदराज लोगों तक सीमित नहीं है। जिले में भी कम उम्र में चश्मे का नंबर बढ़ने, आंखों में सूखापन–जलन, धुंधला दिखाई देने और सिरदर्द जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर उम्र बढ़ने के साथ मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और रेटिना संबंधी बीमारियां दृष्टि को प्रभावित कर रही हैं। आंखों की बदलती तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है।

बच्चों और युवाओं में समस्या की शुरुआत अक्सर दूर की चीजें साफ दिखाई नहीं देने, टीवी या मोबाइल को पास से देखने और पढ़ते समय आंखों में थकान से होती है। लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य स्क्रीन पर नजदीक से देखने और बाहर खुले वातावरण में कम समय बिताने को मायोपिया के बढ़ते जोखिम से जोड़ा जाता है। समस्या धीरे–धीरे बढ़ती है और कई बार बच्चे इसे सामान्य मानकर बताते भी नहीं हैं।

मथुरा में अब नेत्र रोगों की जांच और उपचार के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। नेत्र रोगों के निदान के लिए जिले में संचालित कई आंखों से जुड़े अस्पतालों में मोतियाबिंद, ग्लूकोमा, कॉर्निया, रेटिना और दृष्टि पुनर्वास सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध हैं। गोवर्धन रोड पर संचालित कल्याणं करोति में सालाना 50 हजार निशुल्क नेत्र ऑपरेशन की क्षमता है।

स्थानीय नेत्र केंद्रों में भी ओसीटी, आंखों के दबाव की जांच, विजुअल फील्ड टेस्ट और रेटिना संबंधी जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। नेत्र रोग का अध्ययन करने वाले चिकित्सकों के अनुसार, आंखों में परेशानी होने का इंतजार न करें। बच्चों की नियमित दृष्टि जांच, मधुमेह और रक्तचाप पर नियंत्रण, स्क्रीन के बीच आंखों को आराम और 40 वर्ष के बाद नियमित नेत्र परीक्षण कई गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर सकता है।

ग्लूकोमा इससे भी अधिक खतरनाक

ग्लूकोमा इससे भी अधिक खतरनाक है। इसे 'साइलेंट' बीमारी माना जाता है, क्योंकि शुरुआती दौर में नजर कमजोर होने का स्पष्ट अहसास नहीं होता। समय पर जांच न होने पर आंख की दृष्टि–तंत्रिका को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम में भी मोतियाबिंद, अपवर्तक दोष, ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी और बच्चों की दृष्टि संबंधी समस्याओं को प्रमुख चुनौती माना गया है।

उम्र बढ़ने के साथ प्राकृतिक लेंस की क्षमता होती है कम

उम्र बढ़ने के साथ आंख के प्राकृतिक लेंस की क्षमता कम होने लगती है। इसका असर पास की वस्तुओं को देखने पर पड़ता है। इसके बाद मोतियाबिंद की समस्या भी आम होती जाती है। शुरुआत में धुंधलापन, रोशनी के आसपास चमक या रात में देखने में परेशानी होती है, लेकिन इलाज में देरी होने पर रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगते हैं।

नेत्र रोगों का बढ़ा बोझ, पांच साल में मोतियाबिंद के हजारों ऑपरेशन

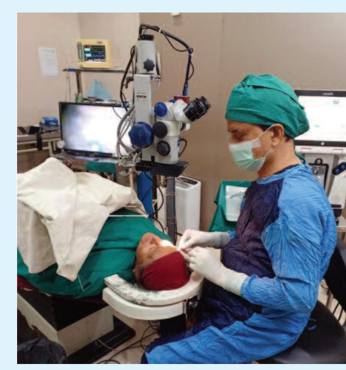

यूनिक समय, मथुरा। बदलती जीवनशैली, मोबाइल और स्क्रीन का बढ़ता इस्तेमाल, धूल–धुआं, तेज धूप, मधुमेह और बढ़ती उम्र के साथ जिले में आंखों से जुड़ी समस्याएं लगातार चिंता का विषय बन रही हैं। जिला अस्पताल में सामान्य दिनों में नेत्र रोगियों की ओपीडी 160 से अधिक तक पहुंच रही है। गर्मी और उमस के दौरान कंजंक्टिवाइटिस के मरीजों में भी तेजी देखी गई है। जिले में नेत्र रोगों के उपचार का बड़ा हिस्सा मोतियाबिंद के मरीजों का है। दिसंबर 2025 तक सरकारी, स्वयंसेवी और निजी क्षेत्र को मिलाकर 16,312 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जा चुके थे। इनमें सरकारी क्षेत्र में 131, स्वयंसेवी संस्थाओं में 14,104 और निजी क्षेत्र में 2,077 ऑपरेशन शामिल रहे।

मधुमेह भी आंखों की रोशनी का दुश्मन

जिले में बढ़ती मधुमेह की समस्या के बीच डायबिटिक रेटिनोपैथी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसमें लंबे समय तक बढ़ी हुई रक्त शर्करा रेटिना की महीन रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। खास बात यह है कि शुरुआती अवस्था में मरीज को कोई खास परेशानी महसूस नहीं होती। इसलिए मधुमेह रोगियों के लिए नियमित रेटिना जांच जरूरी है।

बच्चों की आंखों पर रखें खास नजर: डॉ. मुकेश जैन

यूनिक समय, मथुरा। आंखें बचपन से ही दुनिया को समझने और सीखने की खिड़की हैं। छोटी उम्र में दृष्टि से जुड़ी परेशानी पढ़ाई, खेलकूद और रोजमर्रा की गतिविधियों पर असर डाल सकती है।

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि पांच से आठ वर्ष तक के बच्चों का नेत्र परीक्षण वर्ष में कम से कम एक बार कराया जाना चाहिए। इस आयु वर्ग में कई बच्चे अपनी परेशानी ठीक से बता नहीं पाते, इसलिए

डॉ. मुकेश जैन

अभिभावकों को व्यवहार में होने वाले बदलावों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। किताब को चेहरे के बेहद करीब रखकर पढ़ना, मोबाइल या टीवी नजदीक से देखना, बार–बार आंखें मलना, सिरदर्द की शिकायत करना अथवा कक्षा में लिखे अक्षर स्पष्ट न दिखना दृष्टि संबंधी समस्या के संकेत हो सकते हैं। डॉ. जैन ने बताया कि मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों को नियमित नेत्र परीक्षण कराना चाहिए। रक्त में शर्करा का बढ़ा स्तर आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। दृष्टि में अचानक धुंधलापन, चमक दिखना, काले धब्बे नजर आना या देखने की क्षमता कम होना गंभीर संकेत हो सकते हैं।

सालाना जांच से समय रहते पकड़ में आएंगी नजर संबंधी दिक्कतें

अचानक बदलाव को न करें नजर अंदाज

बीते साल स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 3000 से अधिक ऑपरेशन

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में आंखों की जांच और उपचार के लिए सरकारी अस्पताल के अलावा श्रीजी बाबा नेत्र चिकित्सा संस्थान, केडी अस्पताल और अन्य संस्थाओं द्वारा शिविर लगाए जा रहे हैं। बीते साल स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 3000 से अधिक ऑपरेशन जिले में किए गए। नेत्र रोग चिकित्सकों के अनुसार, शुरुआती जांच ही बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों को नियमित आंखों की जांच, बच्चों की समय–समय पर दृष्टि जांच, धूल–धूप में चश्मे का प्रयोग और लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन देखने से बचने की सलाह दी जा रही है। समय पर उपचार से मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और रेटिना संबंधी गंभीर समस्याओं में दृष्टि बचाई जा सकती है।

जिले में सेवा की रोशनी से जगमगा रही हजारों आंखें: सीएमओ

मोतियाबिंद के 12,556 ऑपरेशन से लौटी दृष्टि 5,962 बच्चों की आंखों की जांच

जरूरतमंदों को 683 चश्मे बांटे, गांवों तक पहुंच रहे नेत्र शिविर

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धरती पर भक्ति के दीप तो सदियों से जलते आ रहे हैं, अब सेवा की रोशनी भी हजारों आंखों तक पहुंच रही है। धार्मिक नगरी में मंदिरों और तीर्थस्थलों के साथ सरकारी अस्पताल, निजी चिकित्सालय तथा सामाजिक संस्थाएं नेत्र सेवा का बड़ा अभियान चलाती आ रही हैं। किसी की धुंधली दुनिया को साफ करने के लिए ऑपरेशन हो रहा है तो किसी बच्चे की कमजोर नजर को चश्मे का सहारा मिल रहा है। गांवों की पगडंडियों से लेकर शहर के अस्पतालों तक आंखों की जांच और उपचार होते हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े के अनुसार, एक अप्रैल से 30 अगस्त तक जिले में 12,556 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए। वहीं आठ से 14 वर्ष तक आयु वर्ग के 5,962 बच्चों की आंखों की जांच हुई। इनमें जरूरतमंद 278 बच्चों को चश्मे उपलब्ध कराए गए और 405 वृद्धों को चश्मे वितरित किए गए। यानी पांच माह में हजारों लोगों की आंखों तक जांच, उपचार और दृष्टि सुधार की सुविधा पहुंची। आंखों की बीमारी ऐसी परेशानी है, जिसका असर केवल देखने की क्षमता पर नहीं पड़ता, बल्कि पढ़ाई, रोजगार, चलने–फिरने और रोजमर्रा के कामकाज तक पड़ता है।

यही वजह है कि समय रहते जांच और इलाज बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों में कमजोर नजर का पता शुरुआती उम्र में लग जाए तो पढ़ाई और भविष्य पर पड़ने वाले असर को कम किया जा सकता है। कई परिवार आंखों की समस्या को उम्र का असर मानकर महीनों तक चिकित्सक तक नहीं पहुंचते। ऐसे लोगों के लिए शिविर बड़ी राहत बन रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न संस्थाओं की टीमें गांवों तक पहुंचकर लोगों की आंखों की जांच कर रही हैं। सीएमओ डॉ. राधावल्लभ ने कहा कि मथुरा जिला धार्मिक नगरी होने के साथ सेवा भावना की धरती भी है। आंखों के उपचार के लिए लोगों को परेशान होकर दूर जाने की जरूरत न पड़े, इसके लिए सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के जीवन में दृष्टि का उजाला लौटाना बहुत बड़ा सेवा कार्य है। विश्व दृष्टि दिवस पर नेत्र स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता की जरूरत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आज बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

गुरुवार कलेक्ट्रेट पर मुख्य चुनाव आयोग के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और दिल्ली में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस नेताओं की हिरासत के विरोध में मथुरा में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के दो गुट अलग-अलग नजर आए।

महानगर कांग्रेस कमेटी ने महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम के नेतृत्व में पूर्व विधायक प्रदीप माथुर समेत कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की।

इसके कुछ देर बाद जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कार्यालय होली गेट से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला गया। हाल में कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व विधायक एवं

राहुल-प्रियंका की हिरासत के विरोध में कलेक्ट्रेट पर नारेबाजी

मंत्री श्याम सुंदर शर्मा भी मार्च में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' और 'वोट बचाओ, देश बचाओ' लिखी तख्तियां लेकर नारे लगाए। कलेक्ट्रेट गेट पर करीब आधे घंटे तक धरना देकर विरोध जताया।

श्याम सुंदर शर्मा ने आरोप लगाया कि वोटों की कथित चोरी के खिलाफ कांग्रेस आंदोलन कर रही है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा। कांग्रेस में वापसी को लेकर उन्होंने कहा कि वह 33 साल बाद पार्टी में लौटे हैं और सभी को जोड़ने का प्रयास करेंगे। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर विरोध जता रहे हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग दोहराई और कहा कि आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

कांग्रेस प्रदर्शन में दो गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़े

कलेक्ट्रेट पर कांग्रेस के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई।

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान गुरुवार को डीएम कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। कांग्रेस नेता ज्ञान सिंह सद्दीकपुर और दूसरे पक्ष के बीच जमकर मारपीट हुई। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों पक्षों के आमने-सामने आने के बाद कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। दोनों ओर से लात-घूंसे और चप्पलें चलने लगीं। मौके पर मौजूद लोगों और अन्य कार्यकर्ताओं ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

डीएम कार्यालय के बाहर लात-घूंसों और चप्पलों से मारपीट का वीडियो वायरल

घटना का वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प को लेकर चर्चा तेज हो गई। मारपीट की वजह को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। हालांकि विवाद की वास्तविक वजह और घटना की पूरी स्थिति को लेकर संबंधित पक्षों की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

दस साल के पट्टे से तालाबों में बढ़ी मछली

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मत्स्य पालन के जरिए मछली उत्पादन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। तालाबों में मछली के बच्चे डालकर उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। चालू वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से शुरू हुए उत्पादन अभियान के तहत सितंबर माह तक करीब 6758 टन मछली का उत्पादन हुआ है। इससे मत्स्य पालन से जुड़े लोगों के लिए रोजगार और आमदनी के अवसर हो रहे हैं। मत्स्य विभाग के अनुसार जिले में निजी तालाबों में करीब 160 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मछली पालन किया जा रहा है। इन तालाबों में मछली के बच्चे डाले गए हैं। निर्धारित समय के बाद इनका पालन-पोषण कर तैयार मछली को बाजार में बिक्री के लिए भेजा जाता है। विभाग की निगरानी में मत्स्य पालकों को उत्पादन बढ़ाने के लिए जरूरी जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाता है। ग्राम सभाओं की जमीन पर भी मत्स्य पालन भी कर रहे है। इसके लिए तालाबों का दस वर्ष की अवधि के लिए पट्टा किया जाता है। विभाग के मुताबिक ग्राम सभाओं के अंतर्गत करीब 700 हेक्टेयर भूमि मत्स्य पालन के लिए उपलब्ध है। इससे

निजी तालाबों में 160 हेक्टेयर क्षेत्र में हो रहा पालन

ग्राम सभा के करीब 700 हेक्टेयर तालाब दस साल पट्टे पर

गांवों में खाली पड़े तालाबों का उपयोग बढ़ रहा है और स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार का साधन मिल रहा है। मत्स्य विभाग की सहायक निदेशक अकांक्षा ने बताया कि जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए निजी तालाबों के लिए भी लोगों को जागरूक किया ?जाता है। मछली के बच्चों को तालाबों में डालने से लेकर उनके विकास और उत्पादन तक की प्रक्रिया पर विभागीय स्तर से नजर रखी जाती है। चालू वर्ष में एक अप्रैल से शुरू हुए मत्स्य उत्पादन के तहत सितंबर तक करीब 6758 टन मछली का उत्पादन हो चुका है। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ मछली कारोबार से लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे है।

केली कुंज पहुंचे संत प्रेमानंद, दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद गुरुवार सुबह अचानक श्री राधा केलीकुंज आश्रम पहुंचे। लंबे समय के बाद उनके आश्रम पहुंचने की सूचना मिलते ही संत के अनुयायियों और भक्तों की भारी भीड़ दर्शन के लिए आश्रम के बाहर उमड़ पड़ी। करीब आधा घंटे आश्रम में रहने के बाद संत प्रेमानंद यमुना विहार कुंज आश्रम के लिए रवाना हो गए। संत प्रेमानंद सुबह करीब साढ़े पांच बजे श्री राधा केलिकुंज पहुंचे। उन्होंने आश्रम में लगभग 15 मिनट पूजा और सत्संग किया। इसके बाद वे अपने गुरु संत गौरांगी शरण के आश्रम पहुंचे। यहां करीब दस मिनट ध्यान लगाने के बाद उन्होंने गुरु का आशीर्वाद लिया। शिष्य रसिक दुलारी शरण की मृत्यु के बाद श्री राधा केलिकुंज आश्रम पर लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। कई लोग अपने बच्चों की तलाश में आश्रम पहुंच रहे थे। इस दौरान तरह-तरह की सूचनाएं और चर्चाएं भी सामने आ रही थीं। इससे आश्रम को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई थी।

इसी बीच संत प्रेमानंद के अचानक केलिकुंज पहुंचने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके आश्रम आने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच गए। गुरु से आशीर्वाद लेने के बाद संत प्रेमानंद सुबह करीब छह बजे यमुना पार जहांगीरपुर गांव में बने नए यमुना विहार कुंज आश्रम के लिए रवाना हो गए।

मोटर साइकिल चोरी की दर्ज कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, छाता। क्षेत्र में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित दानवीर निवासी थाना राया, जिला मथुरा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 अगस्त को सुबह करीब 7:40 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से राधा टावर कॉलेज, गोवर्धन रोड, छाता पहुंचा था। उसने अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर दी और जरूरी काम से अंदर चला गया। पीड़ित के अनुसार कुछ समय बाद जब वह वापस आया तो मौके से उसकी मोटरसाइकिल गायब थी। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने छाता थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

मंडलीय सीनियर महिला हॉकी चयन ट्रायल नौ अक्टूबर को

मंडलीय सीनियर महिला हॉकी चयन ट्रायल के लिए अभ्यास करते हुए खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मंडलीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन एवं ट्रायल नौ अक्टूबर को दोपहर दो बजे से आयोजित किए जाएंगे। जिला क्रीड़ाधिकारी कार्यालय की ओर से मथुरा की खिलाड़ियों को मंडलीय चयन ट्रायल में प्रतिभाग करेंगी। चयन एवं ट्रायल में राधा, कृतिका अग्रवाल, कनिष्का यादव, इकरा, सोनिया सैनी, अश्वनी, नीलम, संध्या सिंह, खुशी रावत और दिव्या चौधरी प्रतिभाग

जिले की 10 खिलाड़ी चयन ट्रायल में लेंगी भाग

करेंगी। वहीं आयुषी, निशिका निमोरिया, दिव्यांशी, दीपिका, भूमियोगी और नीशू को आरक्षित सूची में रखा गया है। खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर ट्रायल में उपस्थित होने को कहा गया है। यह जानकारी उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह की ओर से दी गई।

जनगणना के लिए 98 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में होने वाली जनसंख्या गणना को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में 98 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला जनगणना अधिकारी/एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

फील्ड ट्रेनरों को संबोधित करते हुए डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने कहा कि जनगणना का कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। आने वाले वर्षों में सरकार की विभिन्न योजनाएं और नीतियां जनगणना के आंकड़ों पर आधारित

दो चरणों में प्रशिक्षित होंगे फील्ड ट्रेनर, आगे प्रगणकों को देंगे प्रशिक्षण

मोबाइल एप, प्रश्नावली और गणना प्रक्रिया की दी जा रही जानकारी

होंगी। ऐसे में फील्ड ट्रेनरों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और फील्ड में सही एवं व्यवस्थित तरीके से कार्य कराने पर जोर दिया। प्रशिक्षण में जनसंख्या गणना की अवधारणाओं, प्रश्नावली भरने, गणना प्रक्रिया, मोबाइल एप के संचालन और क्षेत्र में कार्य करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है।

फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण दो चरणों में होगा। पहला चरण 7 से 9 अक्टूबर और दूसरा चरण 12 से 14 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। जिले के चार मास्टर ट्रेनर पहले ही एसआईआरडी, लखनऊमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। अब यही मास्टर ट्रेनर 98 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद फील्ड ट्रेनर जिले के विभिन्न चार्जों में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। द्वितीय चरण में 16 से 30 नवंबर तक स्व-गणना की सुविधा रहेगी। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे। 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण दौर चलेगा।

इस अवसर पर एसडीएम सुशील कुमार, तहसीलदार मांट रजनीश रंधावा, तहसीलदार छाता नितिन कुमार, जनगणना कार्य निदेशालय लखनऊ से मृगेन्द्र बहादुर सिंह (जिला प्रभारी मथुरा), अभिषेक पांडेय (सह जिला प्रभारी मथुरा), जिला जनगणना सहायक कपिल यदुवंशी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अपहृत शौकीन की हत्या का खुलासा

कुएं में डुबोकर हत्या के बाद खेत में दफनाया गया था शव

एक आरोपी गिरफ्तार दो की तलाश जारी

कुएं से निकाल खेत में दफनाया, जल्दी गलने को नमक डाला

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने लापता हुए टायल्स मिस्त्री शौकीन का शव खेत से बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया है। तीन आरोपियों ने कुएं में पानी में डुबोकर हत्या कर शव को निकालकर खेत में गाड़ा।

कोसी पुलिस ने आरोपी आशीष पुत्र राजेंद्र, निवासी बरका को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की तो उसने बड़ा खुलासा किया। उसने ना केवल शौकीन की हत्या की बात स्वीकार की, बल्कि खेत में गाड़ा गया शव भी बरामद कराया। हत्या में शामिल अपने दोनों साथियों के नाम ओमप्रकाश उर्फ विष्णु और उसका भाई लक्ष्मण का भी खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त ने बताया कि शौकीन ने करीब एक वर्ष पहले ओमप्रकाश से मकान में टाइल लगाने के लिए 25 हजार रुपये लिए थे। वह काम नहीं कर रहा था और न रुपये वापस कर रहा था। इसको लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। ओमप्रकाश ने शौकीन की हत्या की साजिश रची। योजना के अनुसार तीन अक्टूबर की रात शौकीन को बातचीत के बहाने बुलाकर उसे गोपालबाग से बाइक पर जग्गो के कुएं पर ले जाया गया। वहां शराब पिलाने के बाद उसे कुएं में ले जाकर पानी में डुबो दिया गया। उसका मोबाइल भी कुएं में फेंक दिया गया।

पुलिस को आरोपी ने यह भी बताया कि अगले दिन तीनों शव को ठिकाने लगाने के लिए फिर कुएं पर पहुंचे। रस्सी और सीढ़ी की मदद से शव बाहर निकालकर बांसा की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के पास खेत में करीब तीन फीट गहरा गड्ढ़ा खोदकर दफना दिया। शव को जल्दी गलाने के लिए उसपर नमक भी डाला गया।

आशीष की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके द्वारा शव को दफनाए गए स्थान पर ले गई, जहां धान की पराली और मिट्टी हटाने पर शव बरामद हुआ।

मौके पर परिजनों और ग्रामीणों ने शव की पहचान शौकीन के रूप में की। पुलिस ने एक मोबाइल भी बरामद किया है। मामले में ओमप्रकाश उर्फ विष्णु और लक्ष्मण की तलाश की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह, उपनिरीक्षक उत्तम चौहान, उपनिरीक्षक विनीत नेहरा और पुलिस टीम है।

कोर्ट के आदेश पर जलाई गई शराब

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने नष्ट कराई 14 लाख रूपये की शराब

यूनिक समय, मथुरा। छाता पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर 55 मुकदमों में बरामद 985 लीटर देशी व अंग्रेजी शराब को नष्ट कराया है। नष्ट कराई गई शराब की कीमत करीब 14 लाख रुपये है। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि छाता पुलिस ने जेएम कोर्ट के आदेश पर थाना परिसर में जेसीबी से गहरा गड्ढ़ा खुदवाकर उसमें आग लगा कर 55 मुकदमों में बरामद 985 लीटर देशी व अंग्रेजी शराब को आग लगा कर जला दिया और गड्ढ़े को बंद करा दिया।

माध्यमिक विद्यालयों में बच्चों को सेवा भाव सिखाएं : संयुक्त शिक्षा निदेशक

यूनिक समय, मथुरा। भारत स्काउट एवं गाइड, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आगरा मंडल की मंडलीय समीक्षा बैठक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), में आयोजित हुई। बैठक में स्काउट–गाइड गतिविधियों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक, आगरा मंडल राकेश कुमार ने कहा कि स्काउट–गाइड के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने माध्यमिक विद्यालयों में स्काउट–गाइड गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम में डायट मथुरा के प्राचार्य धर्मेंद्र शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति मौजूद रहे। शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्पण से हुआ। जिला मुख्य आयुक्त डॉ. कमल कौशिक ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक में विभिन्न जिलों की स्काउट–गाइड गतिविधियों, संगठनात्मक प्रगति और आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा की गई। विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने और सेवा कार्यों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव जोगेंद्र सिंह ने किया। बैठक का समापन आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

देवराह बाबा घाट पर यमुना में डूबे युवक का मिला शव

यूनिक समय, वृंदावन। देवराह बाबा घाट पर यमुना में स्नान करते समय डूबे करीब 25 वर्षीय युवक का शव गुरुवार सुबह यमुना किनारे पानी में तैरता हुआ मिला। बताया गया कि देवराह बाबा घाट पर बुधवार को यमुना में स्नान करते समय करीब 25 वर्षीय युवक डूब गया था। घाट पर युवक के कपड़े और सामान रखे मिले। सामान देखकर स्थानीय लोगों ने युवक के यमुना में डूबने की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करा दिया था। बुधवार शाम से युवक की यमुना में तलाश की गई, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। गुरूवार को भी पुलिस और रेस्क्यू टीम ने युवक की तलाश शुरू की। इस दौरान गुरुवार सुबह यमुना किनारे पानी में युवक का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद रेस्क्यू टीम की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पांच के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार घटना 15 सितंबर की सुबह करीब 9:30 बजे की है। नई बस्ती, दीनानगर निवासी साधना का आरोप है कि पति को लेकर हुई बात के बाद उसके पति जुमा, जेठ ललराज, देवर जियाद, देवर आजाद और ननद नेहा ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान उसके साथ गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई, जिससे उसे चोटें आईं। शिकायतकर्ता के अनुसार घटना के बाद उसने अपना मेडिकल परीक्षण कराया और उपचार भी कराया। इसके बाद 8 अक्टूबर को थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक के लापता होने पर रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर क्षेत्र में एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में राधा कृष्ण वाटिका आवासीय, जयसिंहपुरा, दीनदयाल नगर, मथुरा निवासी गायत्री ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, 7 अगस्त की रात करीब 1:30 बजे उनका पुत्र नन्हू, उम्र करीब 20 वर्ष, घर से बिना बताए चला गया। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। परिजनों की ओर से पुलिस से युवक की तलाश कर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

यूनिक समय मथुरा। थाना राया पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। राया पुलिस रामपुर चौराहे से केशरगढ़ी जाने वाले रास्ते पर गश्त कर रही थी। पुलिस ने वहां बाइक से आते युवक रंजीत निवासी गांव खजूरी को चेकिंग के लिए रोक लिया। उससे बाइक के कागजात मांगे गए तो वह कागजात नहीं दिखा सका। पुलिस ने रंजीत से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने बताया कि बाइक चोरी की है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

मानव अधिकार आयोग ने विद्युत अधिकारियों को दिया नोटिस

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव बोरपा में 11 हजार केवीए के विद्युत करंट लगने से हुई युवक की मौत पर मानव अधिकार आयोग ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

गौरतलब है कि गांव बोरपा निवासी युवक रुपेश को खेत पर जाते समय 11 हजार केवीए विद्युत लाइन का करंट लगा था। करंट से बुरी तरह झुलस जाने के कारण उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में मानव अधिकार आयोग ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों से सुरक्षा इतंजाम और जिम्मेदारी से जुड़े मामलों पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गरीब-किसान के कल्याण की योजनाएं ही दीनदयाल जी को सच्ची श्रद्धांजलि

दीनदयाल धाम मेले में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

बोले-अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

गुरुवार को दीनदयाल धाम आने पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का स्वागत करते मेला अध्यक्ष एडवोकेट सोहनलाल शर्मा, मेला मंत्री मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक सर्व व्यवस्था प्रमुख एडवोकेट नीरज गर्ग आदि।

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय की विचारधारा को केंद्र में रखकर सरकार गरीब, किसान, युवा, महिला और समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही है। गरीब और किसान के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाना ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है।

गुरुवार को दीनदयाल धाम में आयोजित युवा और किसान सम्मेलन में उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के हर वर्ग को सम्मान और अवसर उपलब्ध कराना है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के उपचार की स्वास्थ्य सुरक्षा दी जा रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2026-27 के राज्य बजट दस्तावेज के अनुसार प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, इनमें 45 सरकारी और 36 निजी क्षेत्र के हैं।

पाठक ने कहा कि जिन जिलों में अभी मेडिकल कॉलेज की सुविधा नहीं है, वहां चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर सरकार का जोर है। किसानों को मजबूत करने, युवाओं को रोजगार और अवसर देने तथा गरीबों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज में नकारात्मक माहौल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे समय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और अंत्योदय की भावना समाज को दिशा दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में युवा और महिलाएं विकास की प्रक्रिया से तेजी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने मेले में मौजूद लोगों का आभार जताते हुए दीनदयाल जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आवाह्न किया।प्रदेश के सूचना एवं लघु उद्योग मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने युवाओं से नौकरी की तलाश तक सीमित न रहने, बल्कि उद्यमिता और स्वरोजगार के जरिए दूसरों को रोजगार देने वाला बनने का आवाह्न किया। उन्होंने कहा, "नौकरी मांगो मत, नौकरी देने वाले बनो।" इसके लिए युवाओं के हुनर को कारोबार से जोड़ने और छोटे उद्योगों को मजबूत करने पर जोर दिया।

मंत्री ने कहा कि रोजगार सृजन के लिए बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई और लघु उद्योगों को बढ़ावा देना जरूरी है। मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र में पेड़ा, लड्डू समेत पारंपरिक उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और ब्रांडिंग कर उन्हें बड़े बाजार तक पहुंचाया जा सकता है। इससे स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि एमएसएमई और लघु उद्योग विभाग विभिन्न हुनर को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। हलवाई, मोटर मैकेनिक, कंप्यूटर समेत 25 से अधिक ट्रेडों में प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता के जरिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संघ के वरिष्ठ सदस्य दिनेश ने दीनदयाल जी के दर्शन और विचार युवा-किसानों के सामने रखें। अध्यक्षता करते हुए एडवोकेट सोहनलाल शर्मा ने आभार जताया, जब कि संचालन जिला मंत्री मनीष अग्रवाल ने किया।

इन्होंने किया स्वागत

युवा और किसान सम्मेलन में आए प्रदेश के सूचना एवं लघु उद्योग मंत्री भूपेंद्र चौधरी और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का मेला समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, जगमोहन पाठक, पारस तरकर, मनीष खोजा, सुरेश तरकर, महीपाल सिंह , राजदर्शन पचौरी, नीरज गर्ग आदि ने स्वागत किया।

स्मारक पहुंचे उप मुख्यमंत्री, दीनदयाल जी को दी पुष्पांजलि

यूनिक समय,फरह। गुरुवार को युवा और किसान सम्मेलन में आए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सुबह 11 बजे हेलीपैड पर उतरे। वर्चुअल बैठक के बाद स्मारक भवन में जाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सविता प्रधान, सोनपाल, अमित सिंघल, प्रधानाचार्य लोकेश्वर प्रताप सिंह, सोहनलाल दीक्षित आदि ने स्वागत किया।

जन्मोत्सव पर हुआ हवन

स्मारक परिसर में बालक दीनदयाल के जन्मोत्सव पर हवन का आयोजन भी किया गया। यजमान राजेंद्र प्रसाद शर्मा और उनकी पत्नी निर्मला शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां दीं। पंडित विपिन बिहारी आर्य ने हवन की क्रिया संपन्न कराई। कार्यक्रम संयोजक भद्रावल सिंह ने व्यवस्थाएं संभालीं। विजय पाठक, अमित सिंघल, प्रधानाचार्य लोकेश्वर प्रताप सिंह, चेयरमैन सालिगराम बटिया, सुनील मित्तल और राजदर्शन पचौरी आदि उपस्थित रहे।

मंच पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

दीनदयाल स्मृति महोत्सव के तहत सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या मंदिरों के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने नाटक, सामूहिक गीत, देशभक्ति गीत और शिक्षा आधारित प्रस्तुतियों से दर्शकों की तालियां बटोरीं। विद्यार्थियों ने कुल 14 कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में डॉ. दिनेश ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में सहभागिता से बच्चों की बौद्धिक, शारीरिक और मानसिक दक्षताओं के विकास का अवसर मिलता है। शुभारंभ सेवा क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र संयोजक गिर्राज सिंह और राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने किया। इस दौरान जगमोहन पाठक, लाल सिंह, भौला चौधरी, रामजीलाल, पारस तरकर, सुरेश तरकर, घनश्याम और दिनेश तरकर आदि मौजूद रहे।

सभासद के आवास पहुंचे मंत्री कपिल देव

कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

मंत्री कपिल देव अग्रवाल का स्वागत करते सभासद परमानंद अग्रवाल आदि।

यूनिक समय, फरह। उत्तर प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल गुरुवार को फरह नगर पंचायत के मनोनीत सभासद परमानंद अग्रवाल के आवास पहुंचे। मंत्री के पहुंचने की सूचना पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में उत्साह नजर आया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर उनका स्वागत किया।

आवास पर परमानंद अग्रवाल, उनके परिजनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री को फूल-मालाएं पहनाकर एवं पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया। मंत्री ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत उसका कार्यकर्ता है और कार्यकर्ताओं के सम्मान से संगठन मजबूत होता है।

इस दौरान नगर पंचायत क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और युवाओं के लिए कौशल विकास योजनाओं पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

परमानंद अग्रवाल ने मंत्री के आगमन को कार्यकर्ता के सम्मान का प्रतीक बताया। इस दौरान नगर पंचायत चेयरमैन सालिगराम बटिया, भाजपा नेता अशोक शर्मा, कई सभासद, पूर्व मंडल अध्यक्ष भगवान सिंह, अजय मित्तल, महेश गोयल, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रसियों की तान में श्रोता खो बैठे सुध-बुध

यूनिक समय,फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में रसिया गायकी की ऐसी तान छिड़ी कि श्रोता सुध-बुध खो बैठे। रात भर रसिया के कटाक्ष और फटकेबाजी सुनाने आए श्रोता पांडाल में जमे बैठे रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ हरीश सुहाना, महीपाल सिंह तरकर, राज दर्शन पचौरी, राजेंद्र प्रसाद शर्मा आदि ने किया। खिच्चो आटे वाला अखाड़ा हाथरस के मुकेश शर्मा और सत्तो शर्मा अतरौली के संजय शर्मा के बीच सारी रात धार्मिक और राजनीति से जुड़े रसिया गायकी का मुकाबला चला। लंबे सुर, ढ़ोलक की थाप और हारमोनियम की धुनों पर दोनों ओर से जमकर रसिया बाजी हुई। कार्यक्रम में अशोक शर्मा, भवानी शंकर पचौरी, सुरेश तरकर, मनीष ओझा, विजय पाठक आदि मौजूद रहे। संचालन देवी प्रसाद पाठक ने किया।

टीबी हारेगा-देश जीतेगा : नड्डा

गुरुवार को दीनदयाल धाम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ टीवी बीमारी को लेकर वर्चुअल संवाद करते स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक आदि।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक का वर्चुअल संवाद

टीबी का समूल नाश करने के लिए होगा प्रचार- प्रसार, बनेगी योजना

यूनिक समय, फरह। गुरुवार को दीनदयाल धाम में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में शामिल होने से पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ वर्चुअल संवाद किया। कई राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री इस वर्चुअल संवाद में शामिल हुए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर के कक्ष में आयोजित वर्चुअल संवाद के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने टीबी के समूल नाश की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी स्वास्थ्य मंत्रियों और चिकित्सकों से योगदान करने को कहा। जोश स्टीम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने टीबी को जड़ से समाप्त करने की योजना प्रस्तुत करते हुए सभी से योगदान निभाने को कहा। उन्होंने टीबी के मरीजों को बेहतर सुविधा और इलाज देने की बात कही।

वर्चुअल संवाद में टीबी हारेगा-देश जीतेगा के साथ प्रचार-प्रसार और जागरूकता का काम तेजी से करने को कहा गया। कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. राधावल्लभ, अधीक्षक डॉ. रामवीर सिंह, एसीएमओ डॉ. विकास जैन, जिला प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अनुज यादव, एसीएमओ डॉ. अनुज चौधरी, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजीव यादव आदि मौजूद रहे।

दीनदयाल जन्मोत्सव पर गूंजे बधाई गीत, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

महिलाओं ने ढ़ोलक की थाप पर गाए ननद-भौजाई के गीत, बालक दीनदयाल को पालने में झुलाया

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में गुरुवार को बालक दीनदयाल को पालना में झुलाते राज्यसभा सदस्य तेजवीर चौधरी और अन्य।

यूनिक समय, फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम गुरुवार को जन्मोत्सव के उल्लास से सराबोर रही। स्मारक परिसर में बालक दीनदयाल के जन्म का दृश्य साकार किया गया। महिलाओं ने ढ़ोलक की थाप पर ननद-भौजाई और बधाई के गीत गाकर जन्मोत्सव मनाया। बालक दीनदयाल को पालने में झुलाया गया और जन्म की खुशी में गुड़ बांटा गया। जन्मोत्सव कार्यक्रम की संयोजक निर्मला दीक्षित, एकता जैन, चंचल गुप्ता, विमलेश गौड़, कुंती, नितेश, बबीता, मधु रावत और भारती ने पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य चौधरी तेजवीर सिंह ने बालक दीनदयाल को गोद में खिलाया। इससे कार्यक्रम स्थल पर उत्सव का माहौल और उल्लासपूर्ण हो गया। इस दौरान स्मारक निदेशक सोनपाल, तेजपाल सिंह, सुनील पाठक, दीपक, कपिल शुक्ला और हरीश सारस्वत मौजूद रहे।

अग्र उत्सव नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की पहल : नारायण दास

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में आयोजित होने वाले अग्र उत्सव 2026 को लेकर श्री अग्रवाल सेवा समिति, वृंदावन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। समिति के पदाधिकारियों ने जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति को अग्र उत्सव 2026 का निमंत्रण पत्र प्रदान किया है। चार दिवसीय इस आयोजन में प्रभात फेरी, महाराजा अग्रसेन पूजन, सेवा प्रसादी, रक्तदान शिविर एवं भव्य श्री अग्रसेन मेला सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन की सेवा, सहयोग, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक विरासत के संदेश को आगे बढ़ाना है।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल को अग्र उत्सव का निमंत्रण प्रदान करते श्री अग्रवाल सेवा समिति वृंदावन के अध्यक्ष गिरीश सर्राफ, सचिव गौरव अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारीगण ।

अग्र उत्सव 2026 का आयोजन 11 से 14 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। कार्यक्रमों की शुरुआत 11 अक्टूबर को सुबह प्रभात फेरी (वाहन द्वारा) से होगी, जिसके बाद महाराजा अग्रसेन पूजन का आयोजन अग्रवाटिका, मथुरा में होगा। 12 अक्टूबर को दोपहर प्रभुमन सेवा प्रसादी का आयोजन अपना घर, चैतन्य विहार, वृंदावन में तथा 13 अक्टूबर को दोपहर रक्तदान शिविर का आयोजन गणेशीलाल अग्रवाल अतिथि गृह, वृंदावन में किया जाएगा। रक्तदान शिविर के प्रायोजक महेश अग्रवाल 'दिनेश बीड़ी', जो कि स्व. सुरेश चन्द्र (दिनेश बीड़ी) वालों की स्मृति में आयोजित होगा।

14 अक्टूबर को रात्रि आनंदा वैली, वृंदावन में भव्य श्री अग्रसेन मेला आयोजित किया जाएगा।

मेले में अग्र गौरव सम्मान, माधवी अग्रशक्ति द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति, बच्चों के लिए गेम जोन, विविध बुटीक एवं फूड स्टॉल, आकर्षक आतिशबाजी तथा अन्य मनोरंजक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण होंगे। इसके साथ ही लकी ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इलेक्ट्रिक स्कूटी, एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव एवं आरओ प्लांट सहित विभिन्न पुरस्कार

जीएलए के कुलाधिपति को अग्र उत्सव 2026 का निमंत्रण, 11 से 14 अक्टूबर तक होंगे विविध आयोजन

रखे गए हैं। इसके अतिरिक्त 10 सांत्वना पुरस्कार के रूप में 5 ग्राम चांदी के सिक्के भी प्रदान किए जाएंगे।

अग्र उत्सव 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में जीएलए के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल तथा केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल शामिल होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि गणेश शरण अग्रवाल, कलकत्ता वाले तथा नरेन्द्र अग्रवाल 'गंगोत्री' रहेंगे। समिति की ओर से बताया गया कि महाराजा अग्रसेन की विरासत, सेवा और सम्मान की भावना को समर्पित यह आयोजन सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक सहभागिता का संदेश देगा।

समिति के अध्यक्ष गिरिश सर्राफ, सचिव गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गिरधर अग्रवाल, मेला संयोजक सुनील अग्रवाल 'पेंट वाले', अनूप अग्रवाल 'बजाज' एवं विनीत अग्रवाल 'कंठी माला वाले' ने जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल को निमंत्रण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर नारायण दास अग्रवाल ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन की सेवा, सहयोग और समाजहित की भावना आज भी प्रासंगिक है। ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने श्री अग्रवाल सेवा समिति को अग्र उत्सव 2026 की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए सभी आयोजनों के सफल संचालन की कामना की।

अपार आईडी में सुस्ती पर सीडीओ सख्त

लापरवाही पर डिफाल्टर स्कूलों को दिए कड़े निर्देश

लापरवाही मिली तो होगी नियमानुसार कार्रवाई

लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। यू-डाइस प्लस पोर्टल पर विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने में अपेक्षित प्रगति नहीं करने वाले विद्यालयों पर अब शिकंजा कसने की तैयारी है। गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में डिफाल्टर विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और प्रधानाचार्यों के साथ बैठक कर विद्यालयवार प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान कम प्रगति वाले विद्यालयों को कार्य में तेजी लाकर आधार प्रमाणित विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत अपार आईडी बनाने के निर्देश दिए गए।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता समीक्षा बैठक में अधीनस्थों को निर्देश देतीं हुई।

बैठक में विद्यालयों में लंबित अपार आईडी के प्रकरणों की बारीकी से समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अपार आईडी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों और अभिलेखों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने तथा एकीकृत करने की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसलिए किसी भी स्तर पर कार्य लंबित रखना उचित नहीं है। प्रधानाध्यापकों और प्रधानाचार्यों को विद्यार्थियों व अभिभावकों से आवश्यक सहमति और अभिलेख प्राप्त कर प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को विद्यालयों की प्रगति की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कराते हुए शासन की प्राथमिकता वाले इस कार्य को निर्धारित अवधि में पूरा कराया जाए। स्पष्ट किया गया कि कार्य में शिथिलता या अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और डिफाल्टर विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

मारपीट और धमकी के मामले में रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, छाता। थाना क्षेत्र में मेडिकल स्टोर पर दवा लेने पहुंची महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पुष्पलता, निवासी थाना छाता, जिला मथुरा ने बताया कि 6 अक्टूबर को दोपहर करीब तीन बजे वह अपने भांजे सुलमत के साथ मोटरसाइकिल से छाता रेलवे स्टेशन के पास स्थित डॉ. जयपाल सिंह के मेडिकल स्टोर पर इलाज के लिए दवा लेने पहुंची थीं। इसी दौरान चनपुरा, थाना छाता निवासी जग्गे पुत्र राम वहां पहुंच गया और किसी बात को लेकर उनके साथ विवाद करने लगा।

आरोप है कि जग्गे ने पुष्पलता के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। शोर सुनकर आसपास के लोग और डॉक्टर वहां पहुंच गए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी।

घटना की सूचना 112 नंबर पर भी दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय जूडो-कुराश में रतन लाल स्कूल की छात्राओं का जलवा

पदकों के साथ रतन लाल फूल कटोरी देवी की छात्राएं और प्रधानाचार्य नीता सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। झारखंड में आयोजित राष्ट्रीय जूडो एवं कुराश प्रतियोगिता में रतन लाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल मथुरा की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय की 14 छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और सभी ने पदक जीतकर शत-प्रतिशत सफलता हासिल की। विद्यालय की खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। स्वर्ण पदक हासिल करने वाली सात छात्राओं का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा

14 पदक जीते,सात स्वर्ण विजेता एसजीएफआई के लिए चयनित

सात स्वर्ण पदक विजेता अब एसजीएफआई में दिखाएंगी दम

लेने के लिए रवाना हो गई हैं। छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह, विद्यालय प्रबंधन और खेल विभाग ने प्रसन्नता जताई। उन्होंने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वायु सेना दिवस पर एनसीसी कैडेटों ने दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

वायुसेना दिवस पर किशोरी रमण इंटर कॉलेज पर मौजूद एनसीसी कैडेट।

यूनिक समय, मथुरा। वायु सेना दिवस के अवसर पर राजकीय संग्रहालय में एनसीसी कैडेटों ने राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत का भावपूर्ण गायन कर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम के कमान अधिकारी कर्नल विक्रांत त्यागी व सेना मेडल के निर्देशन में हुआ।

लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक ने भारतीय वायु सेना के इतिहास और राष्ट्र सुरक्षा में योगदान की जानकारी देते हुए बताया कि आठ अक्टूबर 1932 को भारतीय वायु सेना की स्थापना हुई थी। मेजर नूतन कुमार ने कैडेटों को राष्ट्रसेवा, अनुशासन और जिम्मेदारी का महत्व बताया। फर्स्ट ऑफिसर विषम्भर दयाल के

वायु योद्धाओं की शौर्य गाथा से कराया परिचित

मार्गदर्शन में कैडेटों ने 'विकसित भारत @2047' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसमें जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका का संदेश दिया गया। अंडर ऑफिसर डॉली बघेल ने एनसीसी के मूल मंत्र 'एकता और अनुशासन' का महत्व समझाया। कार्यक्रम में किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज और किशोरी रमण इंटर कॉलेज के कैडेटों ने भाग लिया। प्रस्तुतियों की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

राज्यस्तरीय भाषण में अनुष्का गिल ने जीता दूसरा पुरस्कार

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की एमबीबीएस द्वितीय प्रोफेशनल की छात्रा अनुष्का गिल ने राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। उनकी उपलब्धि से कॉलेज और विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली अनुष्का तथा सहभागिता करने वाली अर्पिता और अलंकृता विश्वविद्यालय पदाधिकारियों के साथ।

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सात अक्टूबर को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ में प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के 43 संस्थानों के 129 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अनुष्का ने प्रभावशाली वक्तव्य से निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया और दूसरा स्थान प्राप्त किया। केडी मेडिकल कॉलेज की ओर से अर्पिता और अलंकृता ने भी प्रतियोगिता में सहभागिता की।

अनुष्का की सफलता पर विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल, सीईओ अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी, डीन एवं प्रिंसिपल डॉ. आरके अशोका, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. अमनजोत कौर और

केडी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा ने बढ़ाया ब्रज का गौरव

डॉ. अम्बरीश कुमार ने बधाई दी।

प्रो-चांसलर मनोज अग्रवाल ने कहा कि भाषण, वाद-विवाद और सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता को मजबूत करती हैं। कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी ने उपलब्धि को प्रेरणादायी बताया। डॉ. आरके अशोका ने इसे अनुष्का की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम बताया। डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रभावी संवाद और विचारों को स्पष्ट रखने की क्षमता विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है।

कोसीकलां स्टेशन पर आईजी के औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप

बैरिंग, मेस से लेकर अभिलेखों तक जांचे

खामियां मिलने पर सुधार के निर्देश

कोसीकलां में आगरा परिक्षेत्र के आईजी पीके गुप्ता ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए।

यूनिक समय, कोसीकलां। आगरा परिक्षेत्र के आईजी पीके गुप्ता के गुरुवार दोपहर कोसीकलां रेलवे स्टेशन पर अचानक पहुंचने से पुलिस महकमे में हलचल मच गई। निरीक्षण की सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे। आईजी ने स्टेशन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था के साथ पुलिसकर्मियों की व्यवस्थाओं का भी बारीकी से जायजा लिया। आईजी ने सबसे पहले पुलिसकर्मियों की बैरिंग का निरीक्षण कर साफ–सफाई और मूलभूत व्यवस्थाएं देखीं। इसके बाद पुलिस मेस पहुंचकर मेस रजिस्टर की जांच की तथा भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था से संबंधित जानकारी ली। जीआरपी कार्यालय में अपराध रजिस्टर, हवालात, मालखाना, ड्यूटी रजिस्टर समेत विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण किया। स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों, नियंत्रण कक्ष, प्लेटफार्म, यात्री प्रतीक्षालय और टिकट काउंटरों की सुरक्षा व्यवस्था भी परखी गई। अधिकारियों के साथ बैठक कर आईजी ने स्टेशन की सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सूत्रों के अनुसार निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां सामने आने पर आईजी ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा गया। आईजी ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और निरीक्षण से संबंधित कोई बयान नहीं दिया। निरीक्षण पूरा करने के बाद वह स्टेशन से रवाना हो गए।

सड़क पर कूड़ा फेंका तो होगी कार्रवाई

भरत मिलाप मेले को लेकर नगर पालिका सख्त

दुकानों के बाहर कूड़ेदान रखने के निर्देश

यूनिक समय, कोसीकलां। भारत मिलाप मेले को लेकर नगर पालिका परिषद ने शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सख्ती शुरू कर दी है। बाजारों में दुकानदारों द्वारा सड़क पर कूड़ा फेंकने पर अब कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने दुकानदारों से अपनी दुकानों के बाहर कूड़ेदान रखने और उसमें ही कचरा डालने को कहा है। नगर पालिका के कार्यवाहक सफाई निरीक्षक एवं लेखा अधिकारी योगेंद्र शर्मा रावत ने गुरुवार को बताया कि मेले के दौरान शहर को साफ–सुथरा रखने के लिए सफाई कर्मचारियों की ओर से लगातार काम किया जा रहा है। इसके बावजूद कुछ दुकानदार दुकान का कचरा सड़क पर डाल देते हैं, जिससे गंदगी फैलती है। इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी आने पर कचरा उसमें ही डालें। इसके बाद भी यदि कोई दुकानदार सड़क पर कूड़ा फेंकता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा।

नवीपुर में जहरीले धुएं से ग्रामीण बेहाल दो मौतों के बाद उठे सवाल

धुएं से सांस लेना मुश्किल, बच्चों में खांसी की शिकायत

फैक्ट्रियों की जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसी कोटवन औद्योगिक क्षेत्र से सटे नवीपुर गांव में प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बुधवार को गांव में दो लोगों की कैंसर से मौत के बाद एक ही दिन में दो चिताएं जलीं। ग्रामीणों ने इन मौतों के लिए औद्योगिक क्षेत्र में संचालित टायर जलाने वाली फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं को जिम्मेदार ठहराते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की है। भोलू प्रधान, महेंद्र, डा. उदयचंद, ऋषिराज रावत, रविकांत, गोविंद मुखिया और चंदन मेम्बर समेत ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय फैक्ट्रियों की चिमनियों से काला धुआं निकलता है। उनका कहना है कि कबाड़ के टायर जलाकर तेल निकाला जाता है, जबकि धुएं का असर आसपास के गांवों पर पड़ रहा है।

भगत सिंह (बच्चू), राजेश चौधरी, अनु चौधरी, गुरुदेव, करण सिंह, रामवीर बीडीसी, भोजा बघेल, भर्ती बघेल, बच्चू सिंह, तोता मेम्बर, धर्म डॉक्टर, मुरारी पांचाल और जयप्रकाश ने सांस फूलने, आंखों में जलन और बच्चों को लगातार खांसी की शिकायत बताई।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में कई लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आए हैं। हालांकि, प्रदूषण और कैंसर के बीच सीधे संबंध की स्वतंत्र पुष्टि अभी जांच का विषय है। ग्रामीणों ने प्रदूषण नियंत्रण विभाग और प्रशासन से फैक्ट्रियों की जांच, उत्सर्जन की निगरानी तथा संचालन संबंधी दस्तावेजों की पड़ताल कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन मिलता है तो फैक्ट्रियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से भी हस्तक्षेप की मांग करते हुए चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। अब निगाह प्रशासनिक जांच और संबंधित विभाग की कार्रवाई पर है।

19 वीं मां सांचौली देवी पदयात्रा 25 अक्टूबर को

यूनिक समय, कोसीकलां। कस्बा में धार्मिक आस्था का सबसे बड़ा आयोजन 19 वीं मां सांचौली देवी पदयात्रा इस बार 25 अक्टूबर को बड़ी धूमधाम से निकाली जाएगी।

यात्रा को लेकर आयोजक पूर्व सभासद बिहारीलाल ने अपनी टीम के साथ तैयारियां तेज कर दी हैं। पदयात्रा का शुभारंभ 25 अक्टूबर को सुबह 7 बजे पथवारी देवी मन्दिर तालाब शाही से होगा। यहां से सभी भक्तजन पैदल चलते हुए माता सांचौली मईया मन्दिर ग्राम सांचौली तक जाएंगे।

आयोजकों ने कहा कि भक्त माता रानी की ध्वज के पीछे चलेंगे।

इस मौके पर पूर्व सभासद बिहारीलाल, सौरभ बिछोरिया, राहुल सक्सैना, भगवत मैथिल, संजय जायसवाल, दाऊ दयाल, कन्हैया मंगला, यादराम मैथिल, अमित अग्रवाल, महेश, कपिल खण्डेलवाल, विष्णु अग्रवाल, राधेलाल, विनोद पंजाबी सहित समस्त भक्तजन प्रेमी पदयात्रा में शामिल रहेंगे।

बंद मकान में मिला फांसी पर लटके युवक का शव

दुर्गंध आने पर लोगों को हुई इसकी जानकारी

यूनिक समय, राया। थाना राया के गांव सरुपा में 14 दिन पूर्व घर से निकले युवक का शव गांव में ही उसके बंद पड़े पुराने मकान में फांसी पर लटका हुआ मिला। लोगों को इस बात की जानकारी उस समय हुई जब इलाके में तेज दुर्गंध फैलने लगी। बताया गया कि गांव सरूपा निवासी सोनवीर के पुत्र विमल (20) ने इंटर पास करने के बाद फोटो और वीडियोग्राफी का काम शुरू कर दिया था। विमल विवाह शादियों में वीडियोग्राफी करता था। परिवार के लोगों ने बताया कि विमल 14 दिन पहले बिना किसी को बताए घर से निकल गया था। परिवार के लोग सोच रहे थे कि वह कहीं किसी रिश्तेदारी में चला गया होगा। बताया गया कि परिवार का गांव में पुराना मकान है। वहां परिवार का कोई सदस्य आता-जाता नहीं है। उस घर के आस-पास रहने वाले इलाके में तेज दुर्गंध आने पर लोगों को भारी दिक्कत होने लगी। स्थानीय लोगों ने दुर्गंध आने की वजह जानने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस को भी सूचना दी गई। सोनवीर के परिवार को भी इस बात का पता लगा तो वे भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने बंद पड़े पुराने मकान को खुलवाया तो सभी लोग दंग रह गए। विमल फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। उससे तेज दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवाया और पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विमल की मौत से परिवार गहरे सदमे में है।

कोसीकलां में गूंजे जय लंकेश के जयकारे महाराजा रावण की सवारी देखने उमड़ी भीड़

कोसीकलां में गूंजे जय लंकेश के जयकारे

महाराजा रावण की सवारी देखने उमडी भीड

यूनिक समय, कोसीकलां। रामलीला महोत्सव के तहत गुरुवार शाम नगर में महाराजा रावण की भव्य सवारी निकाली गई। राम भवन से शुरू हुई सवारी में आधा दर्जन आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। रावण के सेवक 'रावण राज' की घोषणा करते हुए सबसे आगे चल रहे थे। घोड़ों पर सवार अधीनस्थ राजा आकर्षण का केंद्र रहे। रावण दरबार, दशमुखी रावण, शिव–काली की पूजा करते रावण और रावण–मंदोदरी दरबार की झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। सवारी देखने के लिए हजारों लोग सड़क किनारे उमड़ पड़े। बैंड की धुनों के बीच सवारी सर्राफा बाजार, बल्देवगंज, हरदेवगंज, मैन बाजार, घंटाघर, बस स्टैंड समेत प्रमुख मार्गों से होकर राम भवन पहुंची। संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे। शुक्रवार को भगवान गणेश की सवारी नगर भ्रमण करेगी। इसके बाद रामलीला मैदान में नारद मोह लीला का मंचन किया जाएगा।

नियमितीकरण समेत छह मांगों को लेकर एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने किया आंदोलन का ऐलान

सीएमओ कार्यालय पर कर्मचारियों ने जताई नाराजगी

मांगें पूरी न होने पर 12 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सविदा कर्मचारी सीएमओ ऑफिस पर धरना प्रदर्शन करते ।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने नियमितीकरण समेत छह सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। गुरुवार को सीएमओ कार्यालय पर कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई। कर्मचारियों का कहना है कि प्रदेश में करीब एक लाख संविदा कर्मचारी पिछले 15 से 18 वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भी कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना सेवाएं दीं, लेकिन लंबे समय से उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया। कर्मचारियों ने सभी एनएचएम संविदा कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग में नियमित करने की मांग की। साथ ही नियमितीकरण होने तक समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने और सम्मानजनक वेतन वृद्धि की मांग उठाई। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों के समान सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

कर्मचारियों ने नियमितीकरण होने तक 10 लाख रुपये का कैशलेस पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, अवकाश, ग्रेच्युटी और राजकीय आवास की सुविधा देने की मांग की। इसके अलावा म्युचुअल ट्रांसफर सहित गैर जनपद स्थानांतरण नीति लागू करने, सेवाकाल में मृत्यु होने पर आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति देने की मांग भी रखी। कर्मचारियों ने आउटसोर्स, मैक्ट्स, आईडीएसपी, एचएमआईएस और कोविड स्टाफ को जिला स्वास्थ्य समिति में समायोजित करने तथा नियमित भर्ती में संविदा कर्मचारियों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि शासन स्तर से सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से तेज किया जाएगा। 9 और 10 अक्टूबर को समस्त जनपद मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

वहीं 12 अक्टूबर को लखनऊ कूच कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। इस मौके पर अजय कुमार, सोनम सिसोदिया, प्रीति सैनी, सुजाता कुशवाह, लीना सिंह, नंदकिशोर पांडेय, राजकुमार, संजय सिहोरिमा, विवेक सारस्वत आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर ग्रामीण की मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के मगोर्रा थाना क्षेत्र में मथुरा–भरतपुर मार्ग पर छोटी कोसी के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार ग्रामीण को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल गजेंद्र (52) की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार कार चलाने से हादसा कई लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के बरसाना थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चलाने के चलते हादसा हो गया।

घटना 29 सितंबर को दोपहर करीब तीन बजे बरसाना रोड पर पानी की पाइप के पास हुई।

कार में सवार विनोद कुमार चौहान समेत कई लोग बरसाना जा रहे थे। आरोप है कि चालक मानव सिंह ने तेज गति से वाहन चलाते हुए कार को पाइप के पास टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुविचार

जो अपने सपनों के लिए लड़ता है वही सच्चा विजेता होता है।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	10:16-09:36 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उ. फाल्गुनी	09:20-09:19 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:16 AM	चन्द्रोदय	04:47 AM
सूर्यास्त		5:57 PM	चंद्रास्त	05:53 PM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM –12:41 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:39 AM: 12:07 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नौ रूप, नौ शक्तियां: नवदुर्गा की पूरी कहानी

माता का हर रूप सिखाता है जीवन में संघर्ष से जीतना

यूनिक समय, मथुरा। नवरात्रि के नौ दिनों में क्यों बदले–बदले रूप में नजर आती हैं मां दुर्गा? किस देवी का नाम कैसे पड़ा और किस स्वरूप के पीछे छिपी है कौन–सी पौराणिक कथा?

नवरात्रि आते ही मंदिरों से लेकर घरों तक मां दुर्गा की आराधना शुरू हो जाती है। नौ दिनों तक देवी के नौ अलग–अलग स्वरूपों की पूजा होती है, जिन्हें नवदुर्गा कहा जाता है। ये केवल देवी के अलग नाम नहीं, बल्कि शक्ति, तप, साहस, मातृत्व और विजय के अलग–अलग प्रतीक माने जाते हैं। देवीभागवत पुराण सहित देवी परंपरा से जुड़े ग्रंथों में इन स्वरूपों की महिमा और नामकरण से जुड़ी कथाएं मिलती हैं।

शैलपुत्री से कूष्मांडा तक, ऐसे बदला देवी का स्वरूप

कात्यायनी से सिद्धिदात्री तक शक्ति का विराट रूप

दिलचस्प बात यह है कि हर नाम के पीछे एक अलग कथा छिपी है।

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मान्यता है कि सती के रूप में देह त्यागने के बाद देवी ने हिमालय के घर जन्म लिया। पर्वतराज की पुत्री होने के कारण उनका नाम शैलपुत्री पड़ा।

दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की आराधना होती है। भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी ने कठोर तप किया। इसी तपस्विनी स्वरूप के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

तीसरे दिन आती हैं मां चंद्रघंटा। उनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित होने के कारण यह नाम पड़ा। उनका स्वरूप साहस और युद्ध शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा होती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार देवी की मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना हुई। यही वजह है कि उनका स्वरूप सृजन और ऊर्जा से जोड़ा जाता है।

पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। भगवान कार्तिकेय को स्कंद भी कहा जाता है। उनकी माता होने के कारण देवी का नाम स्कंदमाता पड़ा।

छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। मान्यता है कि महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर देवी उनकी पुत्री के रूप में प्रकट हुईं। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी का यह स्वरूप महिषासुर के संहार से भी जुड़ा है।

सातवें दिन मां कालरात्रि की आराधना होती है। नाम भले ही उग्र लगे, लेकिन देवी को अंधकार और भय का नाश करने वाली शक्ति माना जाता है। उनका स्वरूप बुराई के अंत का संदेश देता है।

आठवें दिन मां महागौरी की पूजा होती है। कठोर तप के बाद देवी को अत्यंत गौर वर्ण प्राप्त हुआ, इसलिए उन्हें महागौरी कहा गया। उनका स्वरूप शांति, पवित्रता और सौम्यता का प्रतीक माना जाता है।

नवरात्रि के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। मान्यता है कि देवी साधकों को विभिन्न सिद्धियां प्रदान करती हैं। इसी कारण उनका नाम सिद्धिदात्री पड़ा।

नवदुर्गा की कथा को केवल नौ दिनों की पूजा तक सीमित नहीं माना जाता। इन नौ स्वरूपों में देवी का एक ऐसा क्रम दिखाई देता है, जिसमें तप से शक्ति, शक्ति से साहस, साहस से विजय और विजय से सिद्धि तक की यात्रा पूरी होती है। यही नवरात्रि का आध्यात्मिक संदेश भी माना जाता है।

मोबाइल खोते ही संचार साथी पर करें शिकायत लौट चुके 14 लाख फोन

पुलिस सूचना के बाद फोन को तुरंत कराएं बंद

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल फोन चोरी या गुम होने पर घबराने के बजाय तत्काल कार्रवाई करना जरूरी है। केंद्र सरकार का संचार साथी पोर्टल ऐसे मामलों में मददगार साबित हो रहा है। मई 2023 में शुरू हुए इस पोर्टल पर अब तक 30 करोड़ से अधिक लोग पहुंच चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 14 लाख से ज्यादा खोए या चोरी हुए मोबाइल उनके मालिकों तक वापस पहुंचाए जा चुके हैं।

मोबाइल गुम होने पर सबसे पहले पुलिस को सूचना दें। इसके बाद संचार साथी पोर्टल पर जाकर मोबाइल का पहचान नंबर दर्ज कर फोन को सभी दूरसंचार नेटवर्क पर बंद कराया जा सकता है। इससे चोरी हुए फोन में दूसरा सिम डालकर उसका इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाता है। फोन में नई गतिविधि होने पर उसके बारे में जानकारी मिलने की संभावना रहती है।

पोर्टल के जरिए अब तक 60.96 लाख खोए या चोरी हुए मोबाइल बंद किए जा चुके हैं। इनमें 37.85 लाख मोबाइल का पता लगाया गया, जबकि 14 लाख से अधिक फोन बरामद हुए। पोर्टल पर संदिग्ध कॉल और संदेशों की शिकायत के साथ अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी भी जांची जा सकती है।

चश्मा बनेगा जेब का सहारा आवाज से होगी यूपीआई पेमेंट

जियो ला रहा कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाला स्मार्ट चश्मा

अनुवाद से लेकर वीडियो प्रसारण तक करेगा कई काम

आवाज के आदेश पर होगा भुगतान, 12 भाषाओं में अनुवाद

वीडियो बनेगा, बैठक के नोट्स भी तैयार करेगा

यूनिक समय, मथुरा। अब स्मार्ट चश्मा सिर्फ आंखों की रोशनी या धूप से बचाने तक सीमित नहीं रहेगा। रिलायंस जियो जल्द ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस स्मार्ट चश्मा बाजार में उतारने की तैयारी में है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कंपनी ने इसकी खूबियों की झलक दिखाई। खास बात यह है कि इसे आम लोगों की पहुंच में रखने की तैयारी है। जियो के इस चश्मे से दुकान पर रखा क्यूआर कोड देखकर

आवाज के आदेश के जरिए यूपीआई भुगतान किया जा सकेगा। यानी भुगतान के लिए बार–बार मोबाइल निकालने की जरूरत नहीं होगी। चश्मा 12 भारतीय भाषाओं में बातचीत का तत्काल अनुवाद भी कर सकेगा। अलग भाषा बोलने वाले व्यक्ति से बातचीत के दौरान यह व्यक्तिगत अनुवादक की तरह काम करेगा। सामग्री बनाने वालों के लिए चश्मे में वीडियो रिकॉर्डिंग और यूट्यूब पर सीधे प्रसारण की सुविधा होगी। फोन कॉल और संगीत सुनने जैसे काम भी किए जा सकेंगे। इतना ही नहीं, बैठक या चर्चा के दौरान चश्मा बातचीत के प्रमुख बिंदु पहचानकर नोट्स भी तैयार कर सकेगा। जियो का दावा है कि आधुनिक सुविधाओं के बावजूद इसकी कीमत आम लोगों के बजट को ध्यान में रखकर रखी जाएगी।

अंतरिक्ष में घूमेगी व्हिस्की परखे जाएंगे स्वाद

स्कॉटलैंड–जापान के वैज्ञानिकों का अनोखा प्रयोग

2028 में अंतरिक्ष की कक्षा में भेजे जाएंगे नमूने

सूक्ष्म गुरुत्व में बदलेगी परिपक्व होने की प्रक्रिया

तापमान के उतार–चढ़ाव से बनेगा नया स्वाद?

यूनिक समय, मथुरा। अंतरिक्ष में अब सिर्फ रॉकेट और उपग्रह ही नहीं, बल्कि व्हिस्की के स्वाद का भी परीक्षण होने जा रहा है। स्कॉटलैंड और जापान के वैज्ञानिक एक अनोखे प्रयोग के तहत व्हिस्की बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के नमूने अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए 'स्पेस पफिन' नाम का छोटा उपग्रह तैयार किया जा रहा है, जिसे 2028 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक भेजे जाने की योजना है।

वैज्ञानिक यह पता लगाएंगे कि पृथ्वी से अलग वातावरण और सूक्ष्म गुरुत्व में व्हिस्की के परिपक्व होने की

प्रक्रिया किस तरह बदलती है। प्रयोग में बड़े लकड़ी के पीपे की जगह लकड़ी के छोटे टुकड़ों के साथ शराब के नमूने रखे जाएंगे। उपग्रह करीब पांच साल तक अंतरिक्ष में रह सकता है और लगातार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा।

अंतरिक्ष में तापमान में तेज बदलाव के कारण लकड़ी के फैलने और सिकुड़ने की प्रक्रिया अलग हो सकती है। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि इससे व्हिस्की के रंग, रासायनिक संरचना और स्वाद में बदलाव आ सकता है। नमूनों की जांच से यह समझने में मदद मिलेगी कि क्या अंतरिक्ष में पेय पदार्थों को पृथ्वी की तुलना में अलग या तेज तरीके से परिपक्व किया जा सकता है। इस शोध से भविष्य में अंतरिक्ष में रसायन और औषधि निर्माण की संभावनाएं भी तलाशने में मदद मिल सकती है।

पांच विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाएंगी शास्त्रीय भाषाएं,शोध को मिलेगा बढ़ावा

यूनिक समय, मथुरा। देश की प्राचीन भाषाई विरासत को संरक्षित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने पांच उच्च शिक्षण केंद्र स्थापित करने को मंजूरी दी है। इन केंद्रों में शास्त्रीय असमिया, बंगाली, मराठी, पाली और प्राकृत भाषाओं के अध्ययन के साथ शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। केंद्र असम, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, ओडिशा और गुजरात में स्थापित होंगे।

इन केंद्रों का उद्देश्य संबंधित भाषाओं की साहित्यिक, भाषाई और ज्ञान परंपराओं को आगे बढ़ाना है। यहां उच्चस्तरीय शोध, छात्रवृत्ति और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जाएगा। साथ ही प्राचीन साहित्य और पांडुलिपियों के संरक्षण तथा उनके डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने पर भी काम होगा।

पांच केंद्रों में शोध और अध्ययन को मिलेगा बढ़ावा

ग्यारह भाषाओं को मिली है शास्त्रीय भाषा की मान्यता

भारत में अब 11 भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। इनमें तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली शामिल हैं। तमिल को 2004 में पहली शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला था, जबकि मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को 2024 में यह मान्यता दी गई। नए केंद्र इन भाषाओं की समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

सम्पादकीय

डर से नहीं, इनाम से बदलता है इंसान

इंसान को सुधारने के दो पुराने नुस्खे हैं–डर दिखाइए या लालच दीजिए। पहला तरीका कहता है, "गलती की तो भुगतोगे", जबकि दूसरा कान में धीरे से कहता है, "अच्छा किया तो कुछ मिलेगा।" दिलचस्प यह है कि दोनों से आदमी बदलता है, लेकिन चेहरे की मुस्कान दोनों में एक जैसी नहीं होती। अमेरिका के इलिनॉय में एक अधिकारी ने अपने कर्मचारियों को साफ चेतावनी दी कि गलत व्यवहार पकड़ा जाएगा और जांच होगी। संदेश सीधा था–अच्छे से रहिए, वरना कार्रवाई होगी।

पवन गौतम
संपादक

सरकारी दफ्तरों में यह तरीका नया नहीं है। नियमों की किताब मोटी हो सकती है, लेकिन उसके पीछे अक्सर सजा का साया भी उतना ही मोटा होता है। अब आइए पुणे के एक भोजनालय में। यहां खाना बर्बाद न करने पर ग्राहक को महज 20 रुपये की छूट मिलती है। रकम इतनी बड़ी नहीं कि घर का बजट बदल जाए, लेकिन प्लेट में रखा आखिरी कौर बचाने के लिए पर्याप्त जरूर निकली। लोग थाली साफ कर रहे थे, मानो 20 रुपये नहीं, कोई राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने वाला हो! यहीं व्यवहार का असली गणित सामने आता है। हम अक्सर लोगों को सुधारने के लिए चेतावनियों की पूरी फेहरिस्त सुना देते हैं। "ऐसा मत करो", "कूड़ा मत फैलाओ", "बिजली मत बर्बाद करो", "खाना मत छोड़ो।" फिर भी आदतें जस की तस रहती हैं। लेकिन जैसे ही सामने छोटा–सा लाभ रख दिया जाता है, व्यवहार बदलने लगता है। व्यंग्य देखिए–जिस व्यक्ति को खाने की बर्बादी पर दस मिनट समझाने से फर्क नहीं पड़ा, वही बीस रुपये के लिए थाली का आखिरी दाना खोज लेता है। यानी उपदेश की आवाज कान तक पहुंचती है, लेकिन इनाम सीधे जेब तक पहुंचता है! इसका अर्थ यह नहीं कि हर गलत काम पर इनाम बांट दिया जाए। जानबूझकर नियम तोड़ने वालों के लिए दंड जरूरी है। मगर अच्छी आदत विकसित करनी हो तो प्रोत्साहन ज्यादा सहज रास्ता हो सकता है। स्कूलों में बच्चों को अच्छे काम पर शाबाशी, कार्यालयों में बेहतर काम पर सम्मान और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रोत्साहन–ये छोटे उपाय बड़े बदलाव ला सकते हैं। हमारे यहां सुधार का पहला हथियार अक्सर डांट क्यों बन जाता है? शायद इसलिए कि डंडा चलाना आसान है, व्यवहार बदलना कठिन। लेकिन अगर बीस रुपये की छोटी–सी छूट किसी व्यक्ति को खाना बचाने की आदत डाल सकती है, तो सवाल बड़ा है–क्या समाज में अच्छे व्यवहार के लिए ऐसे छोटे प्रोत्साहनों की जगह बढ़ाई जा सकती है? डर आदमी को नियम मानने पर मजबूर कर सकता है, लेकिन इनाम उसे नियम को आदत बनाने की वजह दे सकता है। इसलिए अगली बार किसी को सुधारने से पहले धमकी देने की बजाय एक छोटा–सा सवाल पूछिए–"अच्छा करोगे तो तुम्हें क्या मिलेगा?" शायद जवाब में व्यवहार भी बदल जाए और माहौल भी।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

एसआईआर पर सियासी शोर से ज्यादा जरूरी है तथ्य की पड़ताल

बोध प्रकाश सगुणी

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर देश में जिस तरह की राजनीतिक बहस चल रही है, उसने मतदाता सूची की शुद्धता जैसे महत्वपूर्ण विषय को सत्ता और विपक्ष की रस्साकशी के बीच ला खड़ा किया है। चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं और मतदाता सूची उसका सबसे अहम आधार। इसलिए सूची में किसी पात्र मतदाता का नाम छूटना जितनी गंभीर चिंता का विषय है, उतना ही जरूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि मृतकों, स्थान बदल चुके लोगों अथवा ऐसे लोगों के नाम सूची में न रहें, जो कानूनन मतदान के पात्र नहीं हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब इस पूरी प्रक्रिया को तथ्यों और नियमों के बजाय राजनीतिक आरोपों के चश्मे से देखा जाने लगे।

एसआईआर को लेकर सबसे बड़ा भ्रम यही दिखाई देता है कि मानो मतदाता सूची का पुनरीक्षण नागरिकता की जांच में बदल गया हो। मतदाता होना और नागरिक होना दो अलग-अलग कानूनी प्रश्न हैं। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए कानून में निर्धारित पात्रता पूरी करनी होती है। किसी व्यक्ति के नाम को लेकर आपत्ति उठना अपने आप में उसकी नागरिकता पर फैसला नहीं है। इसी अंतर को स्पष्ट किए बिना राजनीतिक बयानबाजी आम मतदाता के बीच अनावश्यक आशंका पैदा कर सकती है।

एसआईआर को लेकर उठ रही आपत्तियों में एक बड़ा सवाल यह है कि क्या पुनरीक्षण के दौरान किसी योग्य मतदाता का नाम गलत तरीके से हट सकता है। यह चिंता पूरी तरह खारिज नहीं की जा सकती। किसी भी बड़े प्रशासनिक अभियान में मानवीय भूल की संभावना रहती है। नाम की वर्तनी, पते, पिता या पति के नाम जैसी छोटी विसंगतियां भी रिकॉर्ड में अंतर पैदा कर सकती हैं। इसलिए असली कसौटी यह होनी चाहिए कि ऐसी गलती सामने आने पर उसे सुधारने की व्यवस्था कितनी सरल, पारदर्शी और प्रभावी है। यही कारण है कि प्रारूप सूची और अंतिम मतदाता सूची के बीच अंतर समझना जरूरी है। प्रारूप सूची में नाम न होना अंतिम रूप से मतदान के अधिकार से वंचित होना नहीं माना जा सकता। दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया इसी उद्देश्य से रखी जाती है कि पात्र व्यक्ति अपना पक्ष रख सके। संबंधित अधिकारी दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लेते हैं। इसलिए किसी प्रारंभिक आंकड़े को अंतिम सत्य मानकर राजनीतिक निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि प्रक्रिया नियमों के मुताबिक है। आम मतदाता को यह भरोसा होना चाहिए कि उसके नाम को लेकर उठे किसी सवाल का जवाब देने का अवसर उसे मिलेगा और उसकी बात निष्पक्ष रूप से सुनी जाएगी। नोटिस की भाषा सरल हो, समय पर्याप्त मिले और स्थानीय स्तर पर अधिकारियों तक पहुंच आसान हो–ये वे बिंदु हैं जिन पर आयोग को विशेष ध्यान देना चाहिए। तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में सॉफ्टवेयर का उपयोग यदि रिकॉर्ड में विसंगतियां पकड़ने के लिए किया जा रहा है तो यह प्रशासनिक सुविधा हो सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय मशीन नहीं कर सकती। तकनीक सहायक हो सकती है, निर्णायक नहीं। किसी व्यक्ति के नाम, पते या अन्य विवरण में अंतर मिलना जांच की शुरुआत हो सकता है, अंतिम निष्कर्ष नहीं। मानवीय सत्यापन और सुनवाई की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण बनी रहती है। एसआईआर का राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है। विपक्ष को सवाल उठाने और सरकार अथवा निर्वाचन आयोग से जवाब मांगने का पूरा अधिकार है। लेकिन लोकतांत्रिक विरोध की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि आरोपों के पीछे ठोस प्रमाण कितने हैं। यदि किसी राज्य में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम गलत

तरीके से हटाए गए हैं तो ऐसे मामलों का दस्तावेजी विवरण सामने आना चाहिए। कितने नाम हटे, कितने लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई, कितने नाम वापस जोड़े गए और कितने मामलों में अधिकारी के फैसले को चुनौती दी गई–इन आंकड़ों से बहस कहीं अधिक सार्थक हो सकती है। इसी तरह निर्वाचन आयोग को भी राजनीतिक आलोचना को केवल आरोप बताकर खारिज करने के बजाय अधिक से अधिक जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। पुनरीक्षण की प्रत्येक अवस्था के आंकड़े, नोटिस की संख्या, प्राप्त दावे–आपत्तियां और उनके निस्तारण की स्थिति जितनी स्पष्ट होगी, उतना ही भ्रम कम होगा। पारदर्शिता किसी संस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता की ताकत होती है। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि अलग–अलग राज्यों में एसआईआर को लेकर अलग–अलग राजनीतिक प्रतिक्रिया क्यों दिखाई दे रही है। यदि प्रक्रिया एक जैसी है तो उसके मूल्यांकन की कसौटी भी एक जैसी होनी चाहिए। किसी राज्य में इसे चुनावी सुधार और दूसरे राज्य में लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना तभी उचित होगा, जब दोनों जगह परिस्थितियों में वास्तविक अंतर का प्रमाण मौजूद हो। राजनीतिक दलों को इस अंतर को प्रमाणित करना चाहिए, केवल आरोप लगाना नहीं।

मतदाता सूची का शुद्ध होना किसी एक दल की जरूरत नहीं है। सत्ता पक्ष के लिए भी निष्पक्ष मतदाता सूची उतनी ही जरूरी है, जितनी विपक्ष के लिए। लोकतंत्र में चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे अधिक महत्वपूर्ण चुनाव की विश्वसनीयता है। इसलिए एसआईआर पर बहस का केंद्र यह नहीं होना चाहिए कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या नुकसान होगा। केंद्र में यह प्रश्न होना चाहिए कि क्या हर पात्र नागरिक का मतदान अधिकार सुरक्षित है और क्या अपात्र नामों की पहचान कानूनसम्मत तरीके से हो रही है।

संस्थाओं पर सवाल उठाना लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है। निर्वाचन आयोग भी आलोचना से ऊपर नहीं हो सकता और राजनीतिक दल भी जवाबदेही से मुक्त नहीं हैं। लेकिन संस्थाओं की विश्व सनीयता आरोपों से नहीं, प्रमाण और प्रक्रिया से तय होती है। एसआईआर को लेकर भी यही कसौटी अपनाई जानी चाहिए। न अंध समर्थन लोकतांत्रिक रास्ता है, न बिना प्रमाण का भय और विरोध।

जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक शोर से अलग हटकर मतदाता सूची के हर चरण को देखा जाए। जहां गलती है, उसे सुधारा जाए; जहां पात्र मतदाता का नाम छूटा है, उसे जोड़ा जाए; जहां अनियमितता है, उसकी जांच हो और जहां प्रक्रिया सही है, वहां अनावश्यक भ्रम न फैलाया जाए। आखिरकार मतदाता सूची किसी दल की नहीं, लोकतंत्र की संपत्ति है। उसकी शुचिता पर राजनीति हो सकती है, लेकिन उसका फैसला तथ्यों, कानून और पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए।

विचार विंडो

स्टारलिंक की उड़ान अटकी, सुरक्षा बनी सबसे बड़ी दीवार

राम प्रकाश अग्रवाल

एलन मस्क नाराज हैं। वजह यह है कि भारत उनकी स्टारलिंक सेवा के लिए लाल कालीन बिछाने के बजाय सुरक्षा जांच की चौखट पर खड़ा है। मस्क का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली उद्योगपति स्टारलिंक का रास्ता रोक रहे हैं, ताकि भारतीय बाजार पर उनका नियंत्रण बना रहे। आरोप गंभीर है, लेकिन इसमें एक दिलचस्प बात भी है–भारत ने स्टारलिंक को देश में आने से मना नहीं किया है, बल्कि उससे वही पूछा है जो किसी भी विदेशी कंपनी से पूछा जाना चाहिए, "पहले नियम मानिए, फिर बाजार में आइए।"

मस्क शायद भूल रहे हैं कि भारत कोई ऐसी दुकान नहीं है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा कारोबारी आकर कहे कि मुझे यह सामान चाहिए और दुकानदार तुरंत पैकेट थमा दे। भारत एक संप्रभु देश है। यहां दूरसंचार व्यवस्था केवल व्यापार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी विषय है। इसलिए स्टारलिंक के लिए सवाल केवल यह नहीं है कि इंटरनेट कितनी तेज गति से चलेगा। सवाल यह भी है कि आंकड़े कहां रहेंगे, उनका नियंत्रण किसके पास होगा और जरूरत पड़ने पर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत जानकारी कैसे मिलेगी।

भारत सरकार ने साफ किया है कि स्टारलिंक

अकेली कंपनी नहीं है जो सुरक्षा जांच से गुजर रही है। वनवेब, रिलायंस जियो और स्टारलिंक–तीनों उपग्रह आधारित संचार सेवाओं के लिए नियामकीय प्रक्रिया में हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि भारत किसी खास कंपनी का रास्ता रोकना चाहता है तो बाकी कंपनियों को भी उसी कतार में क्यों खड़ा किया गया है? मस्क के लिए यह शायद असुविधाजनक सवाल है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में सवालों के जवाब देने पड़ते हैं। केवल यह कह देना कि "कुछ प्रभावशाली लोग रास्ता रोक रहे हैं", अपने आप में प्रमाण नहीं बन जाता। वरना कल कोई विदेशी कंपनी यह भी कह सकती है कि सड़क पर ट्रैफिक पुलिस इसलिए खड़ी है क्योंकि किसी उद्योगपति ने लाल बत्ती लगवा रखी है।

दिलचस्प बात यह भी है कि मस्क की दूसरी कंपनी टेस्ला को भारत में कारोबार करने का अवसर मिला। मुंबई में शोरूम खुला और भारतीय बाजार में टेस्ला की गाड़ियां पहुंचीं। यानी भारत ने मस्क की कंपनियों के लिए दरवाजा बंद नहीं किया। फर्क सिर्फ इतना है कि कार बेचने और देश की संचार व्यवस्था का हिस्सा बनने में जमीन–आसमान का अंतर है। कार खरीदने वाला व्यक्ति गाड़ी लेकर घर चला जाता है। लेकिन उपग्रह आधारित संचार व्यवस्था लाखों लोगों के आंकड़ों, संचार और महत्वपूर्ण सूचनाओं से जुड़ती है। इसलिए उसके लिए सुरक्षा के सवाल भी उतने ही बड़े होंगे। यह बात समझना किसी रॉकेट विज्ञान से कम नहीं है। स्टारलिंक की तकनीक निस्संदेह प्रभावशाली है।

दूरदराज के इलाकों तक इंटरनेट पहुंचाने की क्षमता इसकी बड़ी ताकत है। भारत जैसे विशाल देश में ऐसी तकनीक डिजिटल संपर्क को नई गति दे सकती है। लेकिन तकनीक जितनी शक्तिशाली होती है, उसके इस्तेमाल को लेकर जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है। दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में स्टारलिंक के इस्तेमाल को लेकर सुरक्षा संबंधी सवाल उठ चुके हैं। यूक्रेन में इसका उपयोग सैन्य गतिविधियों से जुड़ा। म्यांमार में साइबर ठगी और मानव तस्करी से जुड़े परिसरों में इसके उपकरण मिलने की खबरें सामने आईं। इसका अर्थ यह नहीं कि स्टारलिंक अपराधों में शामिल है, लेकिन इतना जरूर है कि उपग्रह इंटरनेट अब केवल मनोरंजन और सामान्य संचार का साधन नहीं रह गया है। यह रणनीतिक महत्व वाली तकनीक बन चुका है। ऐसे में भारत अगर कहता है कि पहले सुरक्षा, फिर सेवा, तो इसमें आखिर गलत क्या है?

असल समस्या शायद यहीं है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां जब किसी बड़े बाजार में प्रवेश करना चाहती हैं तो वे चाहती हैं कि नियम सरल हों, प्रक्रिया तेज हो और मंजूरी जल्द मिले। सरकारों की जिम्मेदारी इसके उलट है। उन्हें यह देखना होता है कि व्यापार के साथ देश का हित भी सुरक्षित रहे। भारत को निवेश चाहिए। भारत को आधुनिक तकनीक चाहिए। भारत को बेहतर इंटरनेट और प्रतिस्पर्धा भी चाहिए। लेकिन इन सबके बदले अपनी सुरक्षा व्यवस्था को गिरवी रखने की जरूरत नहीं है। मस्क दुनिया के बड़े कारोबारी हैं। उनकी कंपनियों ने अंतरिक्ष, वाहन और संचार के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा की हैं। उनकी बात सुनी जानी चाहिए, लेकिन उनकी हर बात को अंतिम सत्य मान लेना भी जरूरी नहीं है। किसी अरबपति की सामाजिक माध्यम पर लिखी टिप्पणी भारत की नीति का आधार नहीं बन सकती। भारत का बाजार विशाल है, इसलिए आकर्षण भी बड़ा है। लेकिन बाजार बड़ा होने का अर्थ यह नहीं कि प्रवेश की शर्तें खत्म हो जाएं।

यहां कारोबार करने वाली हर कंपनी को भारतीय कानून, नियमन और सुरक्षा व्यवस्था का सम्मान करना होगा। मस्क चाहें तो इसे बाधा कह सकते हैं। भारत इसे अपनी जिम्मेदारी कहेगा। अंतर इतना ही है कि कारोबारी के लिए देरी नुकसान हो सकती है, लेकिन सरकार के लिए सुरक्षा में जल्दबाजी उससे कहीं बड़ा जोखिम।

इसलिए स्टारलिंक को भारत आना है तो आए, इंटरनेट बांटे, कारोबार करे और भारतीय उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा दे। मगर रास्ता वही होगा जो भारतीय कानून तय करेगा। आखिर आसमान में घूमते उपग्रहों की ऊंचाई चाहे जितनी हो, भारत की संप्रभुता उससे कहीं ऊपर है।

नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन, कार्डियक अरेस्ट से गई जान

4 दिन बाद गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

75 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा स्थित उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट आने के बाद उनकी हालत बिगड़ी। करीब 45 मिनट तक सीपीआर देने के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक, नाना का निधन सुबह 5:20 बजे हुआ। घटना के समय घर पर परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार उन्हें मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। उनका अंतिम संस्कार पुणे स्थित फार्महाउस में किया जाएगा। इसमें वह एक कार्यक्रम में ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था, "हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।" उनके निधन के बाद उनका यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा में है। नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और तीन नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीते। 1989 की फिल्म 'परिंदा' के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर, 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए बेस्ट एक्टर और 1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। 2013 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 'प्रहार' में आर्मी मेजर का किरदार निभाने के लिए उन्होंने मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ सैन्य प्रशिक्षण लिया था। बाद में वह टेरिटोरियल आर्मी से जुड़े और मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी उन्होंने सेना के साथ अग्रिम इलाकों में समय बिताया था। उन्होंने 2015 में मकरंद अनासपुरे के साथ 'नाम फाउंडेशन' शुरू किया, जो किसानों और उनके परिवारों की मदद करता है। नाना के निधन से बॉलीवुड और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है।

पंजाब किंग्स को लगा बड़ा झटका जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने छोड़ा साथ

आईपीएल 2027 से पहले पंजाब किंग्स को तीन नए कोचों की तलाश

रिकी पोंटिंग पर बढ़ी जिम्मेदारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 की तैयारियों के बीच पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। दिसंबर 2026 में होने वाले ऑक्शन से पहले टीम के कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले के बाद अब दो ऑस्ट्रेलियाई कोचों ने भी फ्रेंचाइजी का साथ छोड़ने का फैसला किया है। ऐसे में पंजाब किंग्स को अगले सीजन से पहले कम से कम तीन नए कोचिंग स्टाफ की तलाश करनी पड़ सकती है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम के फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन और तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने अपने फैसले की जानकारी फ्रेंचाइजी को दे दी है। माना जा रहा है कि दोनों कोचों को बिग बैश लीग (बीबीएल) में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रैड हैडिन पंजाब किंग्स के फील्डिंग कोच थे, जबकि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेम्स होप्स टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। होप्स को मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का करीबी माना जाता है और वह पोंटिंग के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स से पंजाब किंग्स पहुंचे थे। वहीं, हैडिन पिछले कोचिंग सेटअप से टीम के साथ जुड़े हुए थे। अब नए कोचों की नियुक्ति की जिम्मेदारी मुख्य रूप से रिकी पोंटिंग के कंधों पर होगी। फ्रेंचाइजी संभावित उम्मीदवारों के नामों पर पोंटिंग के साथ चर्चा कर रही है, लेकिन अंतिम फैसला हेड कोच ही करेंगे। टीम की कोशिश है कि दिसंबर में होने वाले ऑक्शन से पहले नए कोचिंग स्टाफ को अंतिम रूप दे दिया जाए।

नाना पाटेकर को याद कर भावुक हुईं मनीषा कोइराला, बोलीं-बहुत याद आएंगे

कभी दोनों के रिश्ते ने बटोरी थीं सुर्खियां, 'अग्नि साक्षी' और 'खामोशी' में साथ किया था काम

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर है। 75 साल की उम्र में गोवा स्थित अपने घर पर कार्डियक अरेस्ट के कारण नाना का निधन हो गया। उनके निधन के बाद अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मनीषा ने नाना को भारतीय सिनेमा का महान कलाकार बताते हुए उनके अभिनय और फिल्मों में दिए योगदान को याद किया। उन्होंने उनके निधन पर दुख जताते हुए लिखा कि नाना का काम और अभिनय के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। पोस्ट के अंत में उन्होंने 'ओम शांति' लिखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मनीषा और नाना पाटेकर ने 1990 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। दोनों पहली बार 'अग्नि साक्षी' में साथ नजर आए थे। इस फिल्म में नाना ने जुनूनी और खौफनाक किरदार निभाया था, जबकि मनीषा मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म के बाद दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के साथ उनके कथित ऑफ-स्क्रीन रिश्ते की खबरें भी बॉलीवुड में खूब चर्चा का विषय बनीं। मनीषा ने एनी का किरदार निभाया था, जबकि नाना उनके पिता जोसेफ की भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में मनीषा के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। 90 के दशक में नाना और मनीषा की कथित नजदीकियों को लेकर कई तरह की मीडिया रिपोर्ट्स सामने आई थीं। हालांकि उनके रिश्ते से जुड़े कई दावे सिर्फ चर्चाओं और रिपोर्ट्स तक सीमित रहे और उनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई। समय के साथ दोनों की जिंदगी अलग दिशाओं में आगे बढ़ी। अब नाना के निधन पर मनीषा ने पुरानी चर्चाओं को पीछे छोड़ते हुए उन्हें सिर्फ एक महान कलाकार के तौर पर याद किया है।

भारत-वेस्टइंडीज दूसरा टी-20 नौ अक्टूबर को, जानें बाकी मैचों का शेड्यूल

पहले मुकाबले में 8 विकेट से जीता भारत

श्रेयस अय्यर ने जड़ा शानदार शतक

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर को खेला जाएगा। पहला मैच जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुकी है और अब उसकी नजर दूसरे मुकाबले में जीत हासिल कर अपनी स्थिति और मजबूत करने पर होगी। वहीं वेस्टइंडीज की टीम वापसी करते हुए सीरीज को बराबरी पर लाने की कोशिश करेगी। दोनों टीमों के बीच दूसरा टी20 मुकाबला रांची के जीएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे होगा। सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 19.1 ओवर में 171 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। इसके बाद भारतीय टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 14.2 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 172 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने इस मैच में तूफानी शतक लगाया था। यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका पहला शतक भी रहा। दूसरे मुकाबले के बाद तीसरा टी20 मैच 11 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद 14 अक्टूबर को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में चौथा मैच होगा। सीरीज का आखिरी और पांचवां मुकाबला 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरे मुकाबले से लेकर सीरीज के सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे और टॉस आधे घंटे पहले होगा।

अभिनेता ही नहीं, नेशनल लेवल शूटर भी थे नाना पाटेकर

40 की उम्र के बाद शुरू की शूटिंग

नेशनल चैंपियनशिप में जीता था सिल्वर मेडल

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाना पाटेकर ने अभिनय की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई, लेकिन उनकी जिंदगी का एक पहलू ऐसा भी था जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। नाना पाटेकर बेहतरीन अभिनेता होने के साथ-साथ नेशनल लेवल के शूटर भी रहे। उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और नेशनल चैंपियनशिप में मेडल भी जीता था। नाना पाटेकर ने शूटिंग की शुरुआत अपने 40 के दशक में की थी। साल 2001 के आसपास, 49 साल की उम्र में उन्होंने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन और 300 मीटर बिग बोर स्पर्धाओं में भाग लिया और पुणे के बालेवाड़ी समेत कई शूटिंग रेंज में अभ्यास किया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि पुरस्कार समारोहों में मुख्य अतिथि बनने के दौरान बंदूक चलाने का मौका मिलने से उनकी निशानेबाजी में रुचि बढ़ी। नाना की फिल्म 'प्रहार' भी उनके शूटिंग करियर से जुड़ी रही। फिल्म के लिए उन्होंने भारतीय सेना के साथ ट्रेनिंग ली थी। साल 2004 में इंदौर की बीएसएफ रेंज में हुई 48वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में उन्होंने 300 मीटर बिग-बोर स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता। 2007 में महाराष्ट्र टीम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल भी हासिल किया। 8 अक्टूबर को नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत में शोक की लहर है।

कप्तान ने अचानक छोड़ी टेस्ट टीम की कमान, जनवरी 2024 में मिली थी जिम्मेदारी

नई पीढ़ी को मौका देने के लिए लिया फैसला

खिलाड़ी के तौर पर श्रीलंका के लिए खेलते रहेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने अचानक कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। जनवरी 2024 में टीम की कमान संभालने वाले डिसिल्वा ने अब अपनी जिम्मेदारी छोड़ने की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की सिलेक्शन कमेटी को पत्र लिखकर दी है। उनका मानना है कि अब टेस्ट टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी नई पीढ़ी के किसी खिलाड़ी को सौंपी जानी चाहिए। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि वह बतौर खिलाड़ी श्रीलंका के लिए आगे भी खेलते रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा के फैसले को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने स्वीकार कर लिया है। श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ ने उनके फैसले को मंजूरी देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। डिसिल्वा की कप्तानी में श्रीलंका ने 18 टेस्ट मुकाबले खेले, जिनमें टीम को 7 मैचों में जीत मिली। कप्तानी के साथ-साथ इस दौरान उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा रहा।

डिसिल्वा श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने साल 2015 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह वनडे और टेस्ट टीम का भी हिस्सा बने। करीब 11 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने तीनों फॉर्मेट में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया है। डिसिल्वा ने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 4431 रन बनाए हैं, जिसमें 13 शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 93 वनडे मैचों में उनके नाम 1924 रन हैं। टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 48 मुकाबले खेलकर 890 रन बनाए हैं। दमुथ करुणारत्ने के बाद धनंजय डिसिल्वा को टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। अब श्रीलंका क्रिकेट को उनके विकल्प के तौर पर नए कप्तान का चयन करना होगा। बोर्ड ने फिलहाल नए कप्तान के नाम का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। श्रीलंका को नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी और टीम नए कप्तान के नेतृत्व में मैदान पर उतर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुसल मेंडिस को टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपे जाने की संभावना है। 31 वर्षीय मेंडिस को टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा है। वहीं, डिसिल्वा की उम्र करीब 35 साल है। ऐसे में श्रीलंका क्रिकेट नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज बोले छोटी गलतियों की चुकाई कीमत

भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर जीता था गोल्ड

नवाज ने बनाए थे 96 रन

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत से मिली हार का दर्द पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज को अब भी है। भारत ने फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीता था। इस मैच में हसन नवाज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 96 रन बनाए थे, लेकिन उनकी पारी पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सकी। रावलपिंडी में मीडिया से बातचीत के दौरान नवाज ने कहा कि वह अपनी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं, लेकिन फाइनल हारना निराशाजनक रहा। उन्होंने माना कि पाकिस्तान ने मुकाबले में छोटी-छोटी गलतियां कीं और उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ी। नवाज ने कहा कि फाइनल अब बीत चुका है और क्रिकेट आगे भी जारी रहेगा। खिलाड़ियों से गलतियां होती रहेंगी, लेकिन भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिए इन गलतियों से सीखना और अपने खेल में सुधार करना जरूरी है। नवाज ने अपने खेल में सुधार को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर क्रिकेट खेलने से उन्हें मुश्किल परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली। उनके मुताबिक, अलग-अलग गेंदबाजों और पिचों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ी दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना सीखता है। नवाज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतर परिस्थितियां मिलने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

बागपत में मकान में लगी भीषण आग

मां–बेटी की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, बागपत। खेकड़ा कस्बे में गुरुवार सुबह दो मंजिला मकान में भीषण आग लगने से मां–बेटी की मौत हो गई। हादसे में कारोबारी पति भी झुलस गया। घटना मुबारिकपुर रोड स्थित मकान में हुई। मकान के भूतल पर किराने की दुकान और गोदाम था। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। दुकान में रखे दो गैस सिलेंडरों में धमाका होने के बाद आग तेजी से पूरे मकान में फैल गई।

सुबह करीब 7 बजे कर्मचारी जाहिद ने दुकान खोली थी। करीब 7:45 बजे अचानक दुकान में आग लग गई। कुछ ही देर बाद सिलेंडरों में धमाका हो गया और दुकान का शटर उखड़कर बाहर आ गया। धुआं और आग पहली मंजिल तक पहुंचने से अंकुर जैन, उनकी पत्नी स्वाति और सात वर्षीय बेटी अनन्या अंदर फंस गए। अंकुर पत्नी और बेटी को बचाने पहुंचे, लेकिन दोनों धुएं के कारण बेहोश हो चुकी थीं। उन्होंने कर्मचारी की मदद से दोनों को बाहर निकाला। इस दौरान अंकुर गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि जाहिद का हाथ भी झुलसा।

सूचना पर पुलिस और दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने सीढ़ी लगाकर मकान में प्रवेश किया और करीब 30 से 40 मिनट में आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने स्वाति और अनन्या को मृत घोषित कर दिया। अंकुर को गंभीर हालत में दि ल्ली रेफर किया गया है।

दुकान से भड़की आग ऊपर फंसा परिवार

दमकलकर्मियों ने सीढ़ी से पहुंचकर बचाई जान

घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अमरेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार प्रारंभिक जांच में बिजली के तारों में खराबी से आग लगने की बात सामने आई है। जिलाधिकारी दिव्यांशु कुमार ने बिजली विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर क्षेत्र की बिजली बंद कराई और पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

आगरा में युवती को गोली मार प्रेमी ने खुद को भी मारी गोली

यूनिक समय, आगरा। आगरा के मलपुरा क्षेत्र में बुधवार दोपहर शादीशुदा युवक ने युवती को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार ली। युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि घायल युवती को सैनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, इटौरा निवासी अरुण कुमार (25) सैंया टोल प्लाजा पर काम करता था। उसका हाथरस के सादाबाद निवासी हनी से संबंध था। हनी आगरा में रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही है। बुधवार दोपहर वह सहेली के साथ मां पीतांबरा की सफायर कॉलोनी पहुंची थी। दोनों के बीच सड़क पर किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान अरुण ने तमंचे से हनी को गोली मार दी।

गोली की आवाज सुनकर लोग मौके की ओर दौड़े तो अरुण ने पकड़े जाने के डर से खुद की कनपटी पर गोली मार ली। फोरेंसिक टीम ने मौके से खोखा और अन्य साक्ष्य जुटाए। डीसीपी सिटी अली

बीच सड़क विवाद के बाद हुई वारदात, युवती अस्पताल में भर्ती

पुलिस जुटा रही साक्ष्य घटना की वजह अभी अस्पष्ट

अब्बास ने बताया कि दोनों एक–दूसरे को पहले से जानते थे। घटना की वजह स्पष्ट नहीं है। पुलिस को युवती की ओर से पहले दर्ज मुकदमे की जानकारी भी मिली है।

महाकुंभ डॉक्यूमेंट्री के नाम पर सात करोड़ का गबन

फर्जी बिल और दस्तावेजों से रकम हड़पने का आरोप

50 टीबी फुटेज चोरी, पांच आरोपियों की तलाश

यूनिक समय, लखनऊ। महाकुंभ–2025 की डॉक्यूमेंट्री बनाने के नाम पर सात करोड़ रुपये से अधिक के कथित गबन के मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने मुख्य आरोपी इंद्रजीत नट्टोजी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था। उसे छह अक्टूबर को मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित वर्सोवा थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। जांच एजेंसी अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

आर्थिक अपराध शाखा के अनुसार, डॉक्यूमेंट्री निर्माण के लिए दो जनवरी 2025 को मैसर्स आईएनके पिक्चर्स और एमकोड वेंचर्स एलएलपी के साथ अनुबंध किया गया था। परियोजना के लिए जीएसटी समेत 5.60 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया। आरोप है कि संबंधित लोगों ने कूटरचित बिल, फर्जी अनुबंध और भ्रामक दस्तावेजों के जरिए रकम का दुरुपयोग किया। इसके बावजूद महाकुंभ की डॉक्यूमेंट्री तैयार नहीं की गई।

जांच में कर्मचारियों के भोजन और खानपान के नाम पर करीब 75 लाख रुपये के फर्जी हस्तलिखित बिल लगाए जाने की बात भी सामने आई है। इसके अलावा काम पूरा नहीं करने की धमकी देकर करीब 20 लाख रुपये की जबरन वसूली और शूटिंग तथा स्टूडियो किराये के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगने का आरोप है।

जांच एजेंसी के मुताबिक मामले में कुल छह आरोपियों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात, जबरन वसूली और धमकी समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि 50 टीबी से अधिक वीडियो फुटेज भी चोरी की गई। इन सभी गतिविधियों के जरिये सात करोड़ रुपये से अधिक की रकम का कथित गबन किया गया।

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद आर्थिक अपराध शाखा मामले में लेनदेन और दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश जारी है।

शादी तय होते ही प्रेमी ने युवती को मारी गोली

चार साल से था संबंध दिसंबर में होनी थी शादी

घर में अकेली थी युवती, दीवार फांदकर घुसा आरोपी

यूनिक समय, झांसी। शादी तय होने से नाराज युवक ने कथित तौर पर अपनी 19 वर्षीय प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी कमल रायकवार दीवार फांदकर घर में घुसा और कमरे में मौजूद चंचल रायकवार की कनपटी से तमंचा सटाकर गोली मार दी। वारदात के बाद वह फरार हो गया। देर रात पुलिस से मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

परिजनों के मुताबिक चंचल और आरोपी के बीच करीब चार साल से संबंध थे। परिवार को इसकी जानकारी होने के बाद चंचल का मोबाइल भी ले

लिया गया था। बाद में परिजनों ने उसकी शादी बबीना क्षेत्र के खैलार में तय कर दी थी। शादी 12 दिसंबर को होनी थी।

परिवार को आशंका थी कि आरोपी शादी से नाराज होकर कोई कदम उठा सकता है, इसलिए करीब दो महीने पहले चंचल को उसकी दादी के घर भेज दिया गया था।

घटना के समय चंचल घर में अकेली थी। दादी काम पर गई थीं, जबकि अन्य परिजन भी बाहर थे। इसी दौरान आरोपी दीवार फांदकर अंदर पहुंचा और गोली मारकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें लगाई थीं। रात करीब 11 बजे घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाना पाटेकर के निधन पर यूपी में शोक, योगी ने दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, लखनऊ। मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से उत्तर प्रदेश में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत प्रदेश के कई नेताओं ने उनके निधन पर दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने नाना पाटेकर को भारतीय सिनेमा का विलक्षण अभिनेता और संवेदनशील समाजसेवी बताते हुए उनके योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाना पाटेकर का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने अपने असाधारण अभिनय से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया। साथ ही सामाजिक सरोकारों से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति और उनके परिजनों व प्रशंसकों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

योगी बोले– कला जगत को बड़ी क्षति केशव मौर्य ने भी जताया गहरा दुख

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता ने अपने सशक्त अभिनय से हिंदी सिनेमा में अलग पहचान बनाई।

अलग–अलग भूमिकाओं को प्रभावशाली ढंग से निभाने की उनकी क्षमता हमेशा याद की जाएगी। मौर्य ने उनके निधन को सिनेमा जगत की अपूरणीय क्षति बताया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

आगरा एमएलसी चुनाव में सात पर्चे खारिज, 28 मैदान में

यूनिक समय, आगरा। आगरा खंड विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन सीट के लिए नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो गई। स्नातक सीट पर दाखिल 20 नामांकन में से सात पर्चे खारिज कर दिए गए, जबकि शिक्षक सीट के सभी 15 नामांकन वैध पाए गए। अब दोनों सीटों पर कुल 28 प्रत्याशी मैदान में हैं। नौ अक्टूबर को नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों की अंतिम तस्वीर साफ होगी।

जांच के दौरान कुछ पर्चों में निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर के बजाय पूरा नाम लिखे जाने और जरूरी शपथ पत्र नहीं लगाए जाने जैसी कमियां मिलीं।

खारिज नामांकनों में बहुजन क्रांति दल के आनंद कुमार के अलावा

स्नातक सीट पर सात नामांकन निरस्त, शिक्षक सीट पर सभी सही

निर्दलीय अंबेडकरी हसनूराम, भूपेंद्र सिंह, मानवेंद्र सिंह चौहान, राम किशन द्विवेदी, रनवीर सिंह और धर्मपाल सिंह शामिल हैं। दोनों सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा और 27 अक्टूबर को मतगणना होगी। निष्पक्ष मतदान के लिए 11 जोनल और 27 सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की बैठकों व चुनावी कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। निर्वाचन आयोग ने दोनों सीटों के लिए अलग–अलग प्रेक्षक नियुक्त किए हैं।

युवाओं को पीढ़ियों में न बांटें: नितिन नवीन

यूनिक समय, वाराणसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में युवाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अल्फा, बीटा और गामा जैसे नामों से अलग–अलग खांचों में बांटना उचित नहीं है। पहले भी किशोर और युवा होते थे और आज भी युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं के अधिकार पर बाहर से आए घुसपैठियों को कब्जा नहीं करने दिया जाएगा।

काशी विद्यापीठ में 12 विद्यार्थियों ने नितिन नवीन से शिक्षा, रोजगार और करियर को लेकर सवाल किए। डिजिटल माध्यमों और सामग्री निर्माण में भविष्य तलाश रहे युवाओं के सवाल पर भी उन्होंने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत जल्द कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में बड़ा केंद्र बनेगा। उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की पहचान अब केवल अपराध और माफिया से नहीं, बल्कि नए मार्गों और रक्षा गलियारे जैसी परियोजनाओं से भी हो रही है।

नितिन नवीन ने विपक्ष और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता घुसपैठियों को संरक्षण देने की राजनीति कर रहे हैं। उनका कहना था कि जिस क्षेत्र का व्यक्ति है, वहां के विकास और अवसरों में उसे प्राथमिकता मिलनी

12 विद्यार्थियों ने पूछे सवाल, रोजगार पर हुई चर्चा

विपक्ष पर निशाना घुसपैठियों के मुद्दे पर हमला

चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं के अधिकार किसी बाहरी व्यक्ति को नहीं दिए जाएंगे। इससे पहले नितिन नवीन ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी कहा कि उत्तर प्रदेश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोबाइल बना सुशासन का हथियार ,पांच लाख करोड़ की लीकेज रोकी : मोदी

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बोले प्रधानमंत्री

अस्पताल और सरकारी सेवाएं अब मोबाइल पर

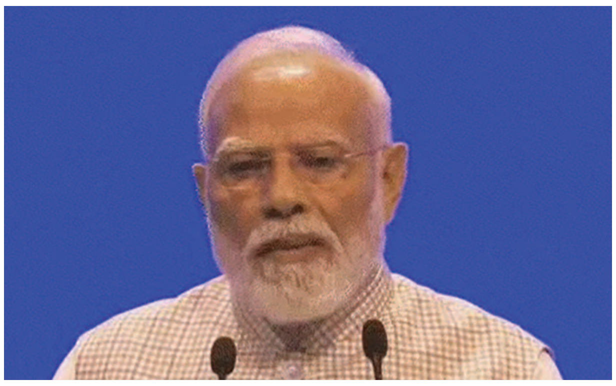

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा कि मोबाइल फोन अब सिर्फ बातचीत और मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि यह सुशासन और आम आदमी की जिंदगी आसान बनाने का बड़ा माध्यम बन चुका है। बैंकिंग, अस्पताल और सरकारी दफ्तरों की कई सेवाएं मोबाइल पर उपलब्ध होने से लोगों को लंबी कतारों और दफ्तरों के चक्कर से राहत मिली है। प्रधानमंत्री ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाए जा चुके हैं। इससे बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी तथा करीब पांच लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की अवैध कमाई बंद हुई, वे सरकार के इस कदम से खुश नहीं होंगे, लेकिन जनता का पैसा जनता तक पहुंचाना सरकार का संकल्प है। मोदी ने कहा कि मोबाइल और इंटरनेट ने शिक्षा, स्वास्थ्य और भुगतान जैसी सुविधाओं को गांवों तक पहुंचाया है। दूरदराज के बच्चों को भी ऑनलाइन शिक्षा का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2022 में इसी मंच से देश में 5जी की शुरुआत हुई थी। अब भारत 6जी की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में 5.5 लाख से अधिक 5जी केंद्र काम कर रहे हैं। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए वैश्विक व्यवस्था की जरूरत बताई। उनका कहना था कि डिजिटल सुरक्षा केवल एक देश की समस्या नहीं है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्री-6जी नेटवर्क और उपग्रह संचार जैसी नई तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में 100 से अधिक देशों की भागीदारी को भारत की बढ़ती तकनीकी पहुंच का संकेत बताया गया।

बद्रीनाथ धाम में आस्था का नया रिकॉर्ड 19 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

यात्रा ने बनाया नया रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस साल श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। कपाट खुलने के बाद से अब तक पहली बार 19 लाख से ज्यादा श्रद्धालु भगवान बद्रीनाथ के दर्शन कर चुके हैं। इसके साथ ही इस साल की चारधाम यात्रा में बद्रीनाथ धाम ने आस्था और श्रद्धा के मामले में नया आंकड़ा दर्ज किया है। बड़ी संख्या में देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं और मंदिर में दर्शन कर भगवान बद्रीनाथ का आशीर्वाद ले रहे हैं। बद्रीनाथ धाम की यात्रा इस साल लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यात्रा व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन की बढ़ती लोकप्रियता को भी दर्शाती है। बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित देश के प्रमुख तीर्थस्थलों में शामिल है और चारधाम यात्रा का अहम हिस्सा है। हर साल देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

फर्जी अधिकारी बनकर बुजुर्ग से की ठगी, पाकिस्तानी को 14 साल, जेल

खुद को संघीय अधिकारी बताकर ऐंठा सोना और नकदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में पाकिस्तानी नागरिक जावेद आशिक को बुजुर्ग से ठगी की साजिश में 14 साल जेल की सजा सुनाई गई है। 52 वर्षीय आशिक को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धोखाधड़ी के मामले में दोषी पाया गया। अदालत ने उस पर करीब 8.58 करोड़ रुपये का हर्जाना भी लगाया है। जेल की सजा पूरी होने के बाद उसे पाकिस्तान भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, जुलाई-अगस्त 2024 के दौरान आशिक ने ठगी करने वाले गिरोह के लिए सामान पहुंचाने वाले व्यक्ति की भूमिका निभाई। गिरोह ने बुजुर्ग को बताया कि उसकी पहचान चोरी हो गई है और उसका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में हो रहा है। आरोपियों ने खुद को अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग के अधिकारी बताकर पीड़ित को सोना, नकदी और अन्य कीमती सामान खरीदने के लिए राजी किया। आशिक ने बुजुर्ग से सोने की ईंटें और नकदी लेकर गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचाई। अमेरिकी अटॉर्नी ने कहा कि गिरोह ने बुजुर्गों के डर और सरकारी संस्थाओं पर उनके भरोसे का फायदा उठाया।

पटना में बैरिकेड पर चढ़े तेजस्वी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

यूनिक समय, पटना। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महागठबंधन के प्रदर्शन में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बैरिकेड पर चढ़ गए। पटना में बिहार विधानसभा के सामने आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महागठबंधन के नेता और कार्यकर्ता जुटे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेड लगाए थे। इसी दौरान तेजस्वी यादव बैरिकेड पर चढ़ गए। उनकी तस्वीरें दिल्ली में राहुल गांधी के प्रदर्शन के दौरान सामने आई तस्वीरों से मिलती-जुलती रहीं। प्रदर्शन के दौरान तेजस्वी यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने भाजपा के दबाव में विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित किया। राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में कई विधायक और पूर्व विधायक भी शामिल हुए। एक वामपंथी पूर्व विधायक के प्रदर्शन के दौरान कैमरों के सामने बेसुध होकर लेटने का दृश्य भी चर्चा में रहा। बाद में महागठबंधन के नेता राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की।

नेपाल में 4.1 तीव्रता का भूकंप चार जिलों में महसूस हुए झटके

रात 9:37 बजे धरती हिली

तीन पड़ोसी जिलों तक पहुंचे झटके

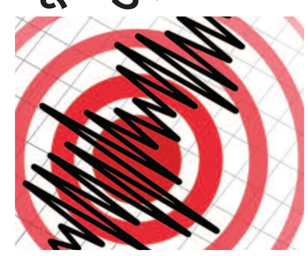

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में बुधवार रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। बजुरा जिले में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। अचानक धरती हिलने से लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप रात 9:37 बजे आया। इसका केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बजुरा जिले की बुधीगंगा नगरपालिका-10 में जमीन के भीतर था। यह क्षेत्र राजधानी काठमांडू से करीब 750 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके बजुरा के अलावा बाजहांग, कालिकोट और अछाम जिलों में भी महसूस किए गए। नेपाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। यहां अक्सर छोटे-बड़े भूकंप आते रहते हैं। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किसी बड़े नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है।

इटली में बोनस सीटों पर विवाद, मेलोनी ने दी इस्तीफे की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। इटली में चुनाव जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को अतिरिक्त सीटें देने के प्रस्ताव को लेकर विवाद बढ़ गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार इस कानून को लागू करना चाहती है। प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई पार्टी या गठबंधन चुनाव में कम से कम 42 फीसदी वोट हासिल कर सबसे आगे रहता है, तो उसे संसद में बोनस सीटों का फायदा मिलेगा। मेलोनी ने कहा है कि अगर कानून संसद में पास नहीं हुआ तो वह इस्तीफा दे देंगी। ऐसे में आज होने वाली वोटिंग को उनकी सरकार के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इटली की संसद में कुल 600 सीटें हैं। प्रस्ताव के तहत निचले सदन की 400 सीटों में 70 और सीनेट की 200 सीटों में 35 सीटों का बोनस विजेता गठबंधन को दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे विजेता गठबंधन को पर्याप्त बहुमत मिलेगा और राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी। वहीं विपक्ष का आरोप है कि इससे विजेता गठबंधन को जरूरत से ज्यादा ताकत मिल जाएगी और लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित हो सकता है।

इटली में 1946 से अब तक 68 सरकारें बन चुकी हैं। विरोधी इस कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती देने की तैयारी में हैं। प्रस्ताव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम चुनाव से पहले घोषित करने का नियम भी शामिल है।

कनॉट प्लेस में कश्मीरी युवक से मारपीट, भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस में कांग्रेस समर्थकों पर श्रीनगर निवासी फहीम नज़ीर के साथ कथित मारपीट का आरोप लगा है। घटना उस रेस्टोरेंट के बाहर की बताई जा रही है, जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं को दोपहर के भोज पर बुलाया था। फहीम का आरोप है कि उसने राहुल गांधी से सवाल पूछे थे, जिसके बाद उसे पीटा गया। उसने कहा कि सवाल पूछना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। घटना को लेकर भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल को किसी नागरिक के साथ मारपीट करने का अधिकार नहीं है। भाजपा ने कांग्रेस से घटना पर जवाब मांगते हुए इसे निंदनीय बताया। सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक तरफ प्रेम और लोकतंत्र की बात करती है, जबकि दूसरी ओर सवाल पूछने वाले व्यक्ति के साथ मारपीट की जा रही है। विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगातार विरोध कर रहे हैं। खरगे ने लगातार दूसरे दिन विपक्षी नेताओं को भोज दिया। इसके बाद विपक्षी नेताओं के राजघाट की ओर मार्च करने की संभावना है।

बेंगलुरु में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन ध्रुव राठी और प्रकाश राज पहुंचे

दीपक बोले-भाजपा चाहती है 'एक देश, एक पार्टी'

10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को रद्द करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन हुआ। इसमें कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ यूट्यूबर ध्रुव राठी और अभिनेता प्रकाश राज भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए। अभिजीत दीपके ने 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'एसआईआर रद्द करो' के नारे लगवाते हुए भाषण शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में मतों की चोरी हुई और कुछ जीवित लोगों को मतदाता सूची में मृत घोषित कर दिया गया। दीपके ने कहा कि भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' की बात करती है, जबकि उसकी मंशा 'एक देश, एक पार्टी' बनाने की है। उन्होंने भाजपा की तुलना जर्मनी के तानाशाह हिटलर से भी की। कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। दीपके ने दावा किया कि प्रदर्शन से पहले कई लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विरोध की आवाज दबाने की कोशिश हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं, एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े फैसलों पर कई बार आपत्ति जताई थी। चुनाव आयोग ने हालांकि कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण समेत सभी बड़े फैसले पूरे आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

मिथिला में जन्मी जानकी, ताड़का का वध, अहिल्या का उद्धार

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्मस्थान लीला मंच पर जानकी जन्म, ताड़का वध और अहिल्या उद्धार की लीलाओं का प्रभावशाली मंचन किया गया। मिथिला में अकाल की स्थिति के बीच राजा जनक और महारानी सुनयना द्वारा स्वर्ण हल से भूमि जोतने के दौरान जानकी के प्रकट होने का प्रसंग दर्शकों के लिए भावुक कर देने वाला रहा। बालिका रूप में जानकी को गोद में उठाते ही मिथिला में आनंद छा गया।

दूसरे प्रसंग में राजर्षि विश्वामित्र दशरथ से यज्ञ की रक्षा के लिए राम–लक्ष्मण को साथ ले जाने का आग्रह करते हैं। गुरु वशिष्ठ के समझाने पर दशरथ दोनों राजकुमारों को विश्वामित्र के साथ भेज देते हैं। मार्ग में श्रीराम ताड़का का वध करते हैं। इसके बाद विश्वामित्र उन्हें बला–अतिबला मंत्र और शस्त्र विद्या प्रदान करते हैं। यज्ञ में विघ्न डालने वाले मारीच और सुबाहु का भी श्रीराम ने नाश किया।

निर्जन आश्रम में श्रीराम के चरण स्पर्श से श्रापित अहिल्या अपने पूर्व स्वरूप में प्रकट होती हैं। बाद में जनकपुर से आए निमंत्रण पर विश्वामित्र राम–लक्ष्मण के साथ धनुष यज्ञ के लिए रवाना होते हैं। शाम को राम–लक्ष्मण की सवारी जन्मस्थान से डीगगेट, चौक बाजार होते हुए राजाधिराज बाजार पहुंची, जहां ताड़का वध की लीला हुई।

लीला प्रदर्शन में गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, जुगल किशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप सर्राफ पीके, विजय सर्राफ किरोड़ी, शैलेश अग्रवाल, अजय मास्टर, हिमांशु सूतिया, दिनेश सदर, पं. शशांक पाठक, संजय बिजली, सुरेन्द्र शर्मा खौना, प्रतीक शर्मा, पारस

यज्ञ की रक्षा को राम लक्ष्मण विश्वामित्र के साथ निकले

कृष्ण जन्मस्थान लीला मंच पर हुआ भावपूर्ण मंचन

अग्रवाल, कान्हा सजावट, पं. अमित भारद्वाज, राजेश गोयल, अंशुमान गोयल, हेमंत अग्रवाल, अंकुर गर्ग, अमन, ध्रुव और अर्चन प्रमुख रहे। व्यवस्था में मोहनलाल कंठीमाला वाले, गुड्डू आदि का सहयोग रहा। गोविंद सजावट वालों की स्मृति में बालमुकुंद अग्रवाल, गौरव अग्रवाल और रोहित अग्रवाल ने प्रसाद व्यवस्था की।

आज की लीलाः 9 अक्टूबर को शाम सात बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान लीला मंच पर गौरी पूजन और पुष्प वाटिका (अष्टसखी संवाद) की लीला होगी।

हेमा मालिनी ने रेल सुविधाओं को लेकर उत्तर मध्य रेलवे को भेजे 12 सुझाव

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल से संबंधित क्षेत्र में रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 12 महत्वपूर्ण सुझाव भेजे हैं। 14 सितंबर 2026 को भेजे पत्र में उन्होंने यात्रियों की सुविधा और यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए विभिन्न मांगों पर कार्रवाई की जानकारी मांगी है। सांसद ने मथुरा जंक्शन पर जनहित में गतिमान एक्सप्रेस का ठहराव किए जाने की आवश्यकता बताई है। इसके अलावा आगरा कैंट से वाराणसी जाने वाली वंदे भारत ट्रेन संख्या 20175/20176 का संचालन मथुरा जंक्शन तक किए जाने का सुझाव दिया है। मथुरा–वृंदावन रेल मार्ग की जगह सड़क मार्ग बनाए जाने के प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति भी मांगी गई है।

पत्र में नया बस स्टैंड और भूतेश्वर अंडरपास की चौड़ाई बढ़ाने, मथुरा जंक्शन पर प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2, 8, 9 और 10 को जोड़ने के लिए फुट ओवरब्रिज बनाने की मांग की गई है। मथुरा से अलीगढ़ को रेल लाइन से जोड़ने के प्रस्ताव, धौली प्याऊ के गेट संख्या 357 और राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गेट संख्या 358 पर रेल ओवरब्रिज बनाने की मांग भी शामिल है।

सांसद ने मथुरा जंक्शन, छाता, कोसी और गोवर्धन स्टेशनों पर सफाई व्यवस्था सुधारने तथा मथुरा जंक्शन पर डस्टबिन बढ़ाने की मांग की है। इसके साथ ही स्टेशन के प्रवेश द्वारों के सौंदर्यीकरण और द्वितीय द्वार से राष्ट्रीय राजमार्ग जोड़ने के लिए 30 मीटर चौड़े मार्ग तथा रेलवे भूमि की स्थिति से अवगत कराने को कहा है।

वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। वृंदावन पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त आशीष निवासी इमलिया ताना करौली जिला नरसिंहपुर मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

सांझी महोत्सव में कल से नि:शुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सांझी महोत्सव–2026 के तहत 9 और 10 अक्टूबर को महावन स्थित रसखान–ताज बीबी उपवन एवं रसखान समाधि स्थल पर निःशुल्क सांझी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन दक्ष एजुकेशन इंस्टीट्यूट द्वारा किया जा रहा है। इसमें मथुरा, महावन, गोकुल, बलदेव, टाउनशिप, बैराज सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों, विद्यार्थियों, महिलाओं और सांझी कला सीखने के इच्छुक लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान दक्ष कलाकारों द्वारा सांझी की विभिन्न पारंपरिक विधाओं का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें सूखे रंगों, गीले रंगों और गोबर की सांझी सहित अन्य विधाओं की बारीकियां सिखाई जाएंगी। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण संबंधी पत्रक भी उपलब्ध कराए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यशाला का उद्देश्य ब्रज की प्राचीन एवं विशिष्ट लोककला सांझी को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। साथ ही बच्चों, युवाओं और महिलाओं को पारंपरिक कला के माध्यम से कौशल विकास तथा रोजगार के अवसरों से जोड़ना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। दक्ष एजुकेशन इंस्टीट्यूट की समन्वयक छवि अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यशाला में शामिल होकर सांझी कला सीखने और इसके संरक्षण में योगदान देने की अपील की है।

धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने धोखाधड़ी करने के आरोप में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त से देशी तमंचा, कारतूसों के अलवा सोने की चेन भी बरामद की है। नौहझील पुलिस ने मोरकी इंटर कालेज व नोशेरपुर के बीच में धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त शिवा उर्फ शिव कुमार निवासी मौहल्ला मोहतिया थाना छायसा जनपद फरीदाबाद हरियाणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी तमंचा, कारतूसों के अलावा धोखाधड़ी की सोने की चेन बरामद की है।

अग्रवाल समाज की प्रतिभाओं ने प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

अग्रसेन मानव सेवा मंडल महिला सम्मेलन में महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रसेन मानव सेवा मंडल (रजि.) महिला प्रकोष्ठ की ओर से अग्र–वाटिका, सरस्वती कुंड रोड पर बुधवार को तृतीय दिवस विभिन्न प्रतियोगिताओं और 39 वें महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आयोजित प्रतियोगिताओं में 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छह से आठ वर्ष के बच्चों के लिए रंग भरो, नौ से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए बिना आग के व्यंजन, 14 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं के लिए नेल आर्ट और महिलाओं के लिए कड़े सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। सम्मेलन में मुख्य अतिथि अनिल अग्रवाल नौहझील वाले और जयंती प्रसाद अग्रवाल रहे। मुख्य संयोजिका मोनिका अग्रवाल, अध्यक्ष सीए मोहिनी अग्रवाल, स्वागत अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल और सांस्कृतिक संयोजिका मिनी बिंदल रहीं। कार्यक्रम में नीलम अग्रवाल, मीता अग्रवाल, जैस्मिन अग्रवाल, किशोरी अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, अध्यक्ष सरिता महालक्ष्मी, मंत्री प्राची बंसल, निर्देशिका ममता बिंदल, संरक्षिका रजनी बंसल, लक्ष्मी गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, नरोत्तम दास भरतिया, गगन बंसल और महेश चंद गोयल ने महाराजा अग्रसेन की छवि पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन किया। बच्चों ने महाराजा अग्रसेन की आरती प्रस्तुत की। साथ ही भगवान कृष्ण की लीला पर आधारित चीरहरण का मंचन हुआ।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

भोजन की बर्बादी रोकने और जरूरतमंदों तक अतिरिक्त भोजन पहुंचाने का संदेश देते हुए बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया गया। 75 वर्ष से अधिक आयु की पांच वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यकम का संचालन महामंत्री प्राची बंसल ने किया।

सेवा–सहयोग के संकल्प से शुरू हुआ अग्रसेन जयंती महोत्सव

अग्रसेन जयंती महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर मौजूद जयंती प्रसाद अग्रवाल एवं अग्र बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। अग्रवाल सभा रजि. मथुरा के अष्टदिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 का शुभारंभ सेवा कार्यों के साथ हुआ। पहले दिन जरूरतमंद महिलाओं की सहायता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मीडिया प्रभारी सचिन अग्रवाल ने बताया कि स्व. दाऊ दयाल रज्जो मल कागजी की स्मृति में श्री राधिका अपना घर महिला आश्रम, राल में महिलाओं को खाद्य सामग्री, वस्त्र और आवश्यक सामान वितरित किया गया। प्रधानमंत्री सुभाष सिक्का ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के सेवा और मानव कल्याण के संदेश को आगे बढ़ाना सभा का उद्देश्य है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल और कार्यवाहक अध्यक्ष अशोक बंसल ने भी सेवा कार्यों को प्राथमिकता बताया। शाम को सृजन संस्था को सहयोग राशि दी गई प्रमोद गर्ग कसेरे, योगेश कागजी, राजकुमार अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, महावीर मित्तल और महेश चंद कसरे सहित अग्रबंधु मौजूद रहे। 9 अक्टूबर को तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में नेत्र शिविर और अग्रवाटिका में दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग वितरित किए जाएंगे।

नेत्र शिविर और कृत्रिम अंग वितरण कल

तमिलनाडु के मंदिर की तर्ज पर सजेगी जनकपुरी, बारात का होगा भव्य स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में 11 अक्टूबर को भरतपुर गेट क्षेत्र में सजने वाली जनकपुरी इस बार आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगी। जनकपुरी को तमिलनाडु के प्रसिद्ध श्री रामास्वामी मंदिर के महल की तर्ज पर भव्य रूप दिया जा रहा है। करीब 75 फुट ऊंचे महल का निर्माण कराया जा रहा है। पूरे परिसर को देशी-विदेशी फूलों और रंग–बिरंगी विद्युत रोशनी से सजाया जा रहा है।

नीति निदेशक गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी और उपसभापति जुगल किशोर अग्रवाल ने बताया कि इस बार जनकपुरी की सजावट को विशेष रूप दिया जा रहा है। उपमंत्री विजय सर्राफ किरोड़ी और कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल ने बताया कि जयमाला के समय विद्युत संचालित आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहेगी। कोतवाली रोड से लाला गंज और तारघर तक दूधिया रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। जनकपुरी के तीनों ओर विशाल प्रवेश द्वार बनाए गए हैं।

इत्र और गुलाबजल की फुहारों से होगा राम बारात का स्वागत

प्रचार मंत्री पं. शशांक पाठक ने बताया कि जनकपुरी में खान–पान, विभिन्न वस्तुओं और बच्चों के खिलौनों की दुकानें सजेंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन संध्या भी होगी। राम बारात का सर्वसमाज की ओर से स्वागत किया जाएगा। इत्र और गुलाब जल की फुहारें भी आकर्षण रहेंगी। यादव, प्रजापति, सिख, सविता, पंजाबी, निषाद, सोनकर, जोशी, कढ़ेरे, स्वर्णकार, माली, लोधी, वाल्मीकि, गुर्जर, कोरी और जाटव समाज समेत विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने स्वागत की तैयारी की है। व्यवस्थाओं के निरीक्षण में गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, जुगल किशोर अग्रवाल, विजय सर्राफ किरोड़ी, शैलेश अग्रवाल, पं. शशांक पाठक, पं. अमित भारद्वाज और प्रवीन अग्रवाल मौजूद रहे।